



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 37] नई दिल्ली, सितम्बर 5—सितम्बर 11, 2004 शनिवार / भाद्र 14—भाद्र 20, 1926

No. 37] NEW DELHI, SEPTEMBER 5—SEPTEMBER 11, 2004/SATURDAY/BHADRA 14—BHADRA 20, 1926

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृष्ठक संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य खेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अंतर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (Including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 2004

सा. का. नि. 300.—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षक अधिनियम, 1986 (1986 का 47) की धारा 139 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षक (समूह "ख" अराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय सुरक्षक (समूह "ख" अराजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय सुरक्षक (समूह "ख" अराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 में :—

(i) नियम 1 के उपनियम (1) में "2002" अंक के स्थान पर "2003" अंक रखा जाएगा।

(ii) अनुसूची के क्रम संख्या 1 से क्रम संख्या 7 के सामने स्तंभ (2) में "2002" अंक के स्थान पर "2003" अंक रखा जाएगा।

[सं. 307/3/2004/एनएसजी/कार्मिक III]

दुर्गा शंकर मिश्रा, निदेशक (कार्मिक)

पाद टिप्पणि : मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) सा. का. नि. सं. 53 तारीख 8 फरवरी, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 27th August, 2004

G.S.R. 300.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 139 of the National Security Guard Act, 1986 (47 of 1986), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Security Guard (Group 'B' Non-Gazetted posts) Recruitment Rules, 2002, namely:—

1. (1) These rules may be called the National Security Guard (Group 'B' Non-Gazetted posts) Recruitment (Amendment) Rules, 2004.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the National Security Guard (Group 'B' Non-Gazetted post) Recruitment Rules, 2002 :—
 - (i) in rule I, in sub-rule (1) for the figure "2002" the figure "2003" shall be substituted.
 - (ii) in the schedule, against serial numbers 1 to 17, in column (2), for the figure "2002" the figure "2003" shall be substituted.

[No. 307/3/2004/NSG/Pers III]

DURGA SHANKER MISHRA, Director (Pers)

Foot Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* GSR No. 53, dated 8th February, 2003.

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2004

सा.का.नि. 301.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वास प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक) भर्ती नियम, 1973 को उन बातों के सिवाय अधिकांत करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया हो या करने का लोप किया गया है, गृह मंत्रालय, पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक (संक्रियात्मक अनुसंधान) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो, ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक (संक्रियात्मक अनुसंधान) भर्ती नियम, 2004 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपायद अनुसूची के स्तंभ (2) से स्तंभ (4) में विनिर्दिष्ट हैं।
 3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अहंताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहंताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तंभ (5) से स्तंभ (14) में विनिर्दिष्ट हैं।
 4. निरहता.—वह व्यक्ति,—
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करने के पश्चात्, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रबर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, और अन्य विशेष प्रबर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन अथवा अवधारण पद
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
"ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक (संक्रियात्मक अनुसंधान)	1* (2004) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अराजपत्रित अनुसूचितवीय	5500-175-9000 रु.	लागू नहीं होता

सेवा में जोड़े गए वर्षों का सीधे भर्ती किए जाने वाले फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अहंताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अहंताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में भी लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई
--	---	---	--	----------------------------

(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक नहीं टिप्पण 1 : (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या अदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है) टिप्पण 2 : आयु-सीमा अवधारण करने लिए निर्णायक तारीख अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के लाहोल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपखंड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्ष्मीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है।)	आवश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से संक्रियात्मक संक्रियात्मक अनुसंधान में विशेषज्ञता के साथ गणित में भास्टर डिग्री या समतुल्य। (2) संक्रियात्मक अनुसंधान में दो वर्ष का अनुभव। टिप्पण 1 : अहंताएं अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है। टिप्पण 2 : अनुभव संबंधी अहंता (अहंताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर कर्मचारी चयन आयोग की यह राय है कि उनके लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के प्राप्त संख्या में उपलब्ध होने की सम्भवता नहीं है।	लागू नहीं होता लागू नहीं होता भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्जनयोजन और सीधी भर्ती के लिए दो वर्ष।	

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी, या प्रोन्टि द्वारा या प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती की प्रतिशतता

प्रोन्टि/प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्टि/प्रतिनियुक्ति/आमेलन किया जाएगा।

(11)

(12)

100% प्रतिनियुक्ति/आमेलन द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

सशस्त्र बल कार्मिकों के लिए :
प्रतिनियुक्ति/पुनर्नियोजन

प्रतिनियुक्ति/आमेलन :

- (क) केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकारी :—
- (i) जो मूल काडर/विभाग में नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं; या
- (ii) जिन्होंने मूल काडर/विभाग में रु. 5000-8000 के या समतुल्य वेतनमान में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में तीन वर्ष सेवा की है; या
- (iii) जिन्होंने मूल काडर/विभाग में रु. 4500-7000 या समतुल्य वेतनमान में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में छः वर्ष की सेवा की है; या
- (iv) जिन्होंने मूल काडर/विभाग में रु. 4000-6000 या समतुल्य वेतनमान में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में दस वर्ष सेवा की हो; और
- (ख) स्वंभु 8 के अधीन सीधी भर्ती के लिए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अहंताएं और अनुभव रखते हों।

प्रतिनियुक्ति/पुनर्नियोजन सशस्त्र बल कार्मिकों के लिए :—

सशस्त्र बल के ऐसे कनिष्ठ कमिशन अफिसर की पंक्ति के कार्मिकों के संबंध में भी विचार किया जाएगा जो एक वर्ष की अवधि के भीतर सेवानिवृत्त होने वाले हैं या रिजर्व में स्थानान्तरित किए जाने वाले हैं और जिनके पास प्रतिनियुक्ति किए जाएँ जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक अहंताएं और अनुभव हैं। यदि चयन कर लिया जाता है तो ऐसे अधिकारियों को उस तारीख तक प्रतिनियुक्ति के निबंधनों पर रखा जाएगा जिस तारीख से उन्हें सशस्त्र बल से निर्मुक्त किया जाना है, तत्पश्चात् उन्हें पुनर्नियोजन पर बने रहने दिया जा सकता है। यदि ऐसा उपयुक्त अधिकारी पद पर वास्तविक चयन किए जाने से पूर्व सेवानिवृत्त हो गया है या उसे रिजर्व में स्थानान्तरित कर दिया गया है, तो उसकी नियुक्ति पुनर्नियोजन आधार पर होगी (सिविल पदों के प्रतिनिर्देश से अधिवर्षिता की आयु तक)।

प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काडर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

प्रतिनियुक्ति (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संबंध भी शामिल है) द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्टि समिति है, तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

(13)

सीधी भर्ती और पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए समूह 'ख'

विभागीय प्रोन्टि समिति सशस्त्र बल कार्मिकों के पुनर्नियोजित—

1. निदेशक, पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो
2. उप निदेशक, पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो
3. उप सचिव/निदेशक, गृह मंत्रालय

(14)

जब किसी अधिकारी सशस्त्र बल कार्मिकों

का अन्य व्यक्तियों के साथ आमेलन प्रतिनियुक्ति/पुनर्नियोजन के क्षेत्र में चयन किया जाता है,

तब संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना अवश्यक है।"

[फा. सं. 2/29/2001-प्रशा. I/वी पी आर एंड डी/पी.टी.]

आर० के० मित्रा, उप सचिव (पी.एम.ए.)

BUREAU OF POLICE RESEARCH AND DEVELOPMENT

New Delhi, the 30th August, 2004

G.S.R. 301.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Bureau of Police Research and Development (Senior Scientific Assistants) Recruitment Rules 1973, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Scientific Assistant (Operational Research) in the Bureau of Police Research and Development, Ministry of Home Affairs, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Bureau of Police Research and Development Senior Scientific Assistant (Operational Research) Recruitment Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns (5) to (14) of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary to expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the order issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or Non-selection post	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pensions) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6
"Senior Scientific Assistant (Operational Research)	*1 (2004) *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group 'B' Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 5500-175-9000	Not applicable	Not applicable

Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any
7	8	9	10
Not Exceeding 30 years. Note 1 : Relaxable for government servants upto five years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government. Note 2 : The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir state, Lahaul and Spiti district and Pangi sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh,	Essential : (i) Master's degree in Operational Research or in Mathematics with specialisation in Operational Research of a recognised university or equivalent. (ii) Two years' experience in Operational Research. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Staff Selection Commission in the case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Staff Selection Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes if at any stage of selection the Staff Selection Commission	Not applicable	Two years for direct recruits and re-employed ex-serviceman.

7

8

Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).

is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancy reserved for them.

Method of recruitment : whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/absorption and percentage of the posts to be filled by various methods

In case of recruitment by promotion/deputation/absorption, grades from which promotion/deputation/absorption to be made

11

12

100% by deputation/absorption failing which by direct recruitment.

For Armed Forces Personnel :
Deputation/Re-employment

Deputation/Absorption :
Officers under the Central Government:

- (a) (i) holding analogous posts on regular basis in the parent cadre/department; or
 - (ii) with three years' service in the grade rendered after appointment thereto on regular basis in the scale of pay of Rs. 5000-8000 or equivalent in the parent cadre/department; or
 - (iii) with six years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis in the scale of pay of Rs. 4500-7000 or equivalent in the parent cadre/department; or
 - (iv) with ten years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis in the scale of pay of Rs. 4000-6000 or equivalent in the parent cadre/department; and
- (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.

FOR ARMED FORCES PERSONNEL:

Deputation/Re-employment :

The armed forces personnel of the rank of Junior Commissioned Officer or equivalent who are due to retire or to be transferred to reserve within a period of one year and possessing the educational qualifications and experience prescribed for deputationists shall also be considered. If selected, such officers will be given deputation terms up to the date on which they are due for release from Armed Forces; thereafter they may be continued on re-employment terms. In case such eligible officers have retired or have been transferred to reserve before the actual selection to the post is made, their appointment will be on re-employment basis (Re-employment up to the age of Superannuation with reference to Civil Posts).

(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other Organization/Department of the Central Government shall ordinarily not to exceed three years. The maximum age limit for appointment by Deputation shall be not exceeding 56 years as on the closing date of the receipt of applications.)

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

13

14

Group 'B' Departmental Promotion Committee for considering confirmation of direct recruits and Armed Forces Personnel/

Consultation with Union Public Service Commission is necessary when an officer/armed forces personnel among others is in

Re-employed :

- (i) Director, Bureau of Police Research and Development —Chairman
(ii) Deputy Director, Bureau of Police Research and Development —Member
(iii) Deputy Secretary/Director, Ministry of Home Affairs —Member

the field of selection for absorption/deputation/re-employment.”

[F. No. 2/29/2001-Admn. I/BPR&D/PT]

R.K. MITRA, Dy. Secy. (PMA)

कार्यिक, लोक-शिकायत तथा प्रेशन मंत्रालय

(कार्यिक और प्रशिक्षण विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2004

सा.का.नि. 302.—भारत के राजपत्र दिनांक 14 जुलाई, 2001 में सा.का.नि. 366 के द्वारा प्रकाशित अधिसूचना के संदर्भ में। राजनीतिक सिद्धांत एवं साविधानिक विधि रीडर के पद की अनुसूची में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएँ :—

विद्यमान	प्रतिस्थापित किया जाए
कॉलम 8 में	
(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में अथवा विधि में स्नातकोत्तर की डिग्री अथवा इसके समकक्ष; तथा	(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में अथवा विधि में स्नातकोत्तर की डिग्री अथवा इसके समकक्ष; तथा
(ii) अध्यापन अथवा अनुसंधान अथवा प्रशिक्षण अथवा प्रशासन में पांच वर्ष का अनुभव अथवा	(ii) अध्यापन अथवा अनुसंधान अथवा प्रशिक्षण अथवा प्रशासन में पांच वर्ष का अनुभव अथवा
(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में डिग्री अथवा समकक्ष; तथा	(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में डिग्री अथवा समकक्ष; तथा
(ii) अध्यापन अथवा अनुसंधान अथवा प्रशिक्षण अथवा प्रशासन में अथवा न्यायिक सेवाओं में आठ वर्ष का अनुभव; तथा बार में आठ वर्ष का व्यावहारिक अनुभव जिनमें तीन वर्ष किसी उच्च न्यायालय में होने चाहिए।	(ii) अध्यापन अथवा अनुसंधान अथवा प्रशिक्षण अथवा प्रशासन में अथवा न्यायिक सेवाओं में आठ वर्ष का अनुभव अथवा बार में आठ वर्ष का व्यावहारिक अनुभव जिनमें तीन वर्ष किसी उच्च न्यायालय में होने चाहिए।

[सं. 13012/8/94-अकादमी डैस्क]

जगमोहन गुप्ता, निदेशक (प्रशिक्षण)

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 31st August, 2004

G.S.R. 302.—Reference Notification published vide G.S.R. 366 in the Gazette of India dated 14th July, 2001. In the Schedule for the post of Reader in Political Theory and Constitutional Law the following changes may be made :

	Existing	To be replaced with
In Col. 8	<p>(i) Post Graduate Degree in Political Science or in Law from a recognized University or equivalent; and</p> <p>(ii) five years' experience in teaching or research or training or administration; or</p> <p>(i) Degree in Law from a recognized University or equivalent; and</p> <p>(ii) eight years experience in teaching or research or training or administration or in Judicial Services and eight years practical experience at bar out of which three years should be in a High Court.</p>	<p>(i) Post Graduate Degree in Political Science or in Law from a recognized University or equivalent; and</p> <p>(ii) five years' experience in teaching or research or training or administration or</p> <p>(i) Degree in Law from a recognized University or equivalent; and</p> <p>(ii) eight years experience in teaching or research or training or administration or in Judicial Services or</p> <p>Eight years practical experience at bar out of which three years should be in a High Court.</p>

[No. 13012/8/94-Academy Desk]
JAGMOHAN GUPTA, Director (Training)

परमाणु ऊर्जा विभाग

मुंबई, 25 अगस्त, 2004

सा.का.नि. 303.—केन्द्रीय सरकार, परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (1962 का 33) की धारा 30 के साथ पठित धारा 3 और धारा 14 की उप धारा (1) के खण्ड (i) तथा खण्ड (ii) के उपखण्डों (ग) और (घ) एवं उप धारा (4) और धारा 16, 17 तथा अन्य संगत धाराओं द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त में उसको सशक्त करने वाली सभी अन्य शक्तियों का, तथा विकिरण संरक्षण नियम, 1971 के अधिक्रमण में सिवाए उन कार्यों जो ऐसे अधिक्रमण से पहले किए जाने चुके हैं अथवा जिनका न किए जाने के लिए लोप कर दिया गया है, उपयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम परमाणु ऊर्जा (विकिरण संरक्षण) नियम, 2004 है।
- (2) ये नियम विकिरण स्रोतों के संबंध में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं और किए जाने वाले हस्तक्षेपों पर लागू होंगे।
- (3) इनका विस्तार संपूर्ण भारत पर है।
- (4) ये अंतिम रूप से सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख से तत्काल प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ : (1) इन नियमों में जब तक अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (क) "दुर्घटना" से प्रब्लेम त्रुटि, उपस्कर की खराबी अथवा अन्य अनिष्ट सहित ऐसी कोई अनाक्षयित घटना जिसके परिणाम अथवा संभावित परिणाम विकिरण संरक्षण की दृष्टि से नागर्य नहीं है, अभिप्रेत हैं;
- (ख) "अधिनियम" से परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (1962 का 33) अभिप्रेत है;
- (ग) "सक्रियण" से नाभिकीय अभिक्रियाओं द्वारा उत्प्रेरित रेडियोसक्रियता का उत्पादन अभिप्रेत है;
- (घ) "सक्रियता" से रेडियोसक्रिय पदार्थ अथवा सामग्री में प्रति यूनिट काल में स्थूल होने वाले नाभिकीय रूपांतरणों की औसत संख्या अभिप्रेत है;
- (ङ) "पर्याप्त संरक्षण" से इस प्रकार उपर्युक्त विकिरण से संरक्षण अभिप्रेत है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित नियामक प्रतिबंधों का अतिक्रमण न हो;
- (च) "समुचित" से सक्षम प्राधिकारी की गय में पर्याप्त संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए समुचित होना अभिप्रेत है;
- (छ) "सक्षम प्राधिकारी" से इस अधिनियम की धारा 27 में निर्दिष्ट कोई अधिकारी या प्राधिकारी अभिप्रेत है;
- (ज) "संदूषण" से सक्षम प्राधिकारी द्वारा संगत सुरक्षा कोडों में विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक मात्रा में सामग्री के अंदर अथवा उस पर अथवा मानव शरीर में अथवा अन्य स्थान पर रेडियोसक्रिय पदार्थ की उपस्थिति अभिप्रेत है;

- (झ) "नियंत्रित क्षेत्र" से कोई भी ऐसा क्षेत्र जहाँ विशिष्ट संरक्षण उपाय और संरक्षा प्रावधानों की आवश्यकता हो अथवा हो सकती हो, अभिप्रेत है;
- (क) कार्य करने की सामान्य परिस्थितियों के दौरान संदूषण उद्भासन को नियंत्रित करने अथवा उसको फैलने से रोकने के लिए; तथा
- (ख) संभावित उद्भासनों को रोकने अथवा सीमित करने के लिए;
- (ज) "वाहन" से अभिप्रेत है :—
 - (i) सड़क मार्ग द्वारा परिवहन के प्रयोजन हेतु कोई भी वाहन;
 - (ii) जल मार्ग द्वारा परिवहन के प्रयोजन हेतु; प्रवृत्त कानून के अधीन परिभाषित कोई भी पोत, फ्लक्ट, अथवा डेक; और
 - (iii) वायु मार्ग द्वारा परिवहन के प्रयोजन हेतु कोई भी वायुयान,
- (ट) "डिकमीशन" से रेडियोसक्रिय सामग्री को हटाने अथवा संरोधित करने सहित उपस्कर को विखंडित करके अथवा विखंडित किए बिना विकिरण उपस्कर अथवा प्रतिष्ठापना के उपयोग को स्थायी आधार पर बन्द कर दिया जाना अभिप्रेत है;
- (ठ) "मात्रा" से प्रकरण के अनुरूप अवशोषित मात्रा, आर्गन मात्रा, समसंयोजक मात्रा, प्रभावी मात्रा अथवा प्रतिबद्ध समसंयोजक मात्रा, अथवा प्रतिबद्ध प्रभावी मात्रा अभिप्रेत है;
- (ड) "नियोजक" से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो विकिरण प्रतिष्ठापन में कर्मकारों को नियोजित करता है अथवा स्रोतों के प्रयोगों द्वारा प्रशिक्षण देता है अथवा जो कर्मकार के रूप में स्व:नियोजित हो;
- (ढ) "उद्भासन" से अभिप्रेत है विकिरण से उद्भासित होने की क्रिया अथवा स्थिति;
- (ण) "हैंडल" से विनिर्माण, कब्जे में रखना, भंडारण, उपयोग, विक्रय द्वारा या अन्यथा अंतरण, निर्यात, आयात, परिवहन या निपटान अभिप्रेत है;
- (त) "हस्तक्षेप" से ऐसी कोई कार्रवाई अभिप्रेत है जो ऐसे स्रोतों से उद्भासन अथा होने वाले उद्भासन को कम करने अथवा रोकने के लिए को जाए जोकि नियंत्रित प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है अथवा दुर्घटना के परिणामस्वरूप नियंत्रण से बाहर है;
- (थ) "लाइसेन्स" से नियम 3 के अधीन जारी लाइसेन्स अभिप्रेत है;
- (द) "लाइसेन्सधारी" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे इन नियमों के अधीन लाइसेन्स जारी किया गया हो;

- (ध) “चिकित्सा उद्भासन” से वह उद्भासन अभिप्रेत है जो-
- रोगियों द्वारा उनके अपने चिकित्सा निदान अथवा उपचार के रूप में;
 - वृत्तिक रूप से उद्भासित होने वालों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा जानते हुए और स्वेच्छा से मरीजों को संभालने और आरम्भ देने में सहायता करते हैं; और
 - जैव चिकित्सा अनुसंधान में स्वयंसेवकों के द्वारा; होता है।
- (न) “नाभिकीय ईंधन चक्र” से नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन से जुड़ी यूरेनियम अथवा थोरियम के खनन, पेण, संसाधन सहित सभी संक्रियाएं; यूरेनियम संवर्धन; नाभिकीय ईंधन का विनिर्माण; रिएक्टरों का प्रचालन; नाभिकीय ईंधन का पुनर्संसाधन; डिकोमीशन; रेडियोसक्रिय अपशिष्ट प्रबन्धन तथा किसी भी पूर्वोक्त क्रिया से संबंधित कोई भी अनुसंधान अथवा विकास गतिविधि अभिप्रेत है;
- (प) “आफ-साइट आपातस्थिति” से संयंत्र से जनाबादी वाले क्षेत्र में रेडियोसक्रिय पदार्थों/खतरनाक रसायनों के अधिक मात्रा में उन्मुक्त होने से उत्पन्न ऐसी दुर्घटना की स्थिति अथवा आपातस्थिति अभिप्रेत है, जिसमें हस्तक्षेप की जरूरत हो;
- (फ) “व्यक्ति” में कोई व्यक्ति अथवा कम्पनी अथवा संघ अथवा व्यक्ति-निकाय, चाहे निर्गमित हो या नहीं; अथवा केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार सम्मिलित है;
- (ब) “कार्मिक मानोटरन” से किसी व्यक्ति द्वारा बाह्य और/अथवा आंतरिक रूप से प्राप्त की गई विकिरण की मात्रा का निर्धारण अथवा आकलन अभिप्रेत है;
- (भ) “संभावित उद्भासन” से वह उद्भासन अभिप्रेत है जिसके किसी स्रोत से निश्चित तौर पर उन्मुक्त होने की आशा नहीं हो किन्तु दुर्घटनाकश ऐसा हो सकता हो अथवा उपस्कर के खराब हो जाने अथवा संक्रियात्मक त्रुटियों सहित संभावितस्वरूप की घटना अथवा घटनाक्रम के कारण हो;
- (म) “प्रक्रिया” से ऐसी कोई मानव गतिविधि अभिप्रेत है जो मौजूदा स्रोतों से और अधिक स्रोतों अथवा उद्भासन मार्गों को सन्न्यासित करती है अथवा और अधिक व्यक्तियों को उद्भासित करती है अथवा उद्भासन मार्गों के नेटवर्क को परिवर्तित करती है, जिससे व्यक्तियों पर उद्भासन अथवा उद्भासन की संभावना, अथवा उद्भासित व्यक्तियों की संख्या अबू सकती है;
- (य) “गुणवत्ता आश्वासन” से ऐसी योजनाबद्ध और सुव्यवस्थित कार्रवाई अपेक्षित है जो ऐसी पर्याप्त विश्वसनीयता दिलाने के लिए आवश्यक है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा व्यनिर्दिष्ट सुरक्षा मानकों के अनुपालन में कोई संरक्षण, प्रधारणी,

- संघटक अथवा प्रक्रिया गुणवत्ता नियंत्रण सहित संतोषजनक रूप से काम करेगी;
- (यक) “गुणवत्ता नियंत्रण” से ऐसी संक्रियाओं (योजना बनाना, समन्वय करना, क्रियान्वित करना) का क्रम अभिप्रेत है, जो कार्य-निष्पादन को अपेक्षित स्तरों तक कायम रखने अथवा उसकी गुणवत्ता को बेहतर बनाने और जिसमें घोनिटरन, मूल्यांकन और अनुरक्षण शामिल हैं, के लिए की जाती है;
- (यख) “विकिरण प्रतिष्ठापन” से ऐसा कोई स्थान या सुविधा जिसमें चल सुविधा भी शामिल है, अभिप्रेत है जिसमें विकिरण उत्पन्न करने वाला उपस्कर अथवा संयंत्र अथवा रेडियोसक्रिय सामग्री मौजूद हो और जिस पर सक्षम प्राधिकारी की गय में विकिरण से पर्याप्त संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए विकिरण निगरानी रखना आवश्यक है;
- (यग) “विकिरण निगरानी” से ऐसे उपाय जिनमें किए गए आमापन और पुनरीक्षा भी शामिल है, अभिप्रेत है; जिनसे पर्याप्त संरक्षण सुनिश्चित की जा सके;
- (यघ) “विकिरण कार्य” से उद्भासन युक्त कार्य अभिप्रेत है;
- (यङ) “विकिरण कर्मकार” से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो वृत्तिक रूप से विकिरण प्रभाव्य है;
- (यच) “विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारी” से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से नियोजित द्वारा उस रूप में पदनामित किया गया है;
- (यछ) “नियामक नियंत्रण” से सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित विकिरण संरक्षण प्राचलों पर प्रतिबंध अभिप्रेत है;
- (यज) “सीलबंद स्रोत” से ऐसी रेडियोसक्रिय सामग्री अभिप्रेत है जिसे—
- (क) (i) स्थाई रूप से किसी कैपसूल में सीलबंद किया गया है; अथवा
(ii) ठोस रूप में चारों तरफ से कस कर बंद किया गया है तथा
- (ख) जिसका डिजाइन ऐसा बनाया गया है जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट सुरक्षा मानकों को पूरा करता है।
- (यझ) “स्रोत” से रेडियोसक्रिय सामग्री अथवा विकिरण प्रजनन संयंत्र अथवा उपस्कर अभिप्रेत है;
- (यঝ) “पर्यावेक्षी क्षेत्र” से ऐसा क्षेत्र अभिप्रेत है जिसे पहले से नियंत्रित क्षेत्र निर्दिष्ट नहीं किया गया है लैकिन जहाँ विशिष्ट संरक्षण उपायों और सुरक्षा प्रावधानों की सामान्यतया जरूरत न होने पर भी वृत्तिक उद्भासन स्थितियों की समीक्षा की जाती है;
- (यঠ) “सीलबंद न किए गए स्रोतों” से ऐसी रेडियोसक्रिय सामग्री अभिप्रेत है जो सीलबंद स्रोत नहीं है; तथा
- (যঠ) “कर्मकार” से विकिरण कर्मकार अभिप्रेत है।

- (2) इन नियमों में प्रयोग किए गए और अपरिभाषित किन्तु अधिनियम में परिभाषित उन शब्दों और पदों का वही अर्थ है जो अधिनियम में क्रमशः उनके लिए दिया गया है।
3. **लाइसेंस :** (1) कोई भी व्यक्ति बिना लाइसेंस के—
 (क) स्थल निर्धारण, अभिकल्पन, निर्माण, कमीशनन और प्रचालन के लिए विकिरण प्रतिष्ठापन स्थापित नहीं करेगा; और
 (ख) विकिरण प्रतिष्ठापन का विकमीशनन नहीं करेगा।
 (2) कोई भी व्यक्ति किसी रेडियोसक्रिय सामग्री का हस्तन, अथवा विकिरण प्रजनन उपस्कर का प्रचालन, लाइसेंस में दी गई नियंत्रण और शर्तों के अनुसार ही करेगा।
 (3) कोई भी लाइसेंस निम्नलिखित संक्रियाओं से सम्बद्ध स्रोतों और प्रक्रियाओं के लिए दिया जाएगा—
 (i) नाभिकीय इंधन चक्र सुविधाएँ;
 (ii) गामा किरण प्रकोष्ठों से इतर भूतल आधारित उच्च प्रबलता वाले गामा किरण;
 (iii) अनुसंधान और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किए जाने वाले कण त्वरक;
 (iv) न्यूट्रोन जनित्र;
 (v) रेडियोसक्रिय सामग्री अथवा विकिरण प्रजनन उपस्करों के वाणिज्यिक उत्पादन में कार्यरत सुविधाओं;
 (vi) रेडियोथेरेपी में उपयोग किए जाने वाले टेलिगामा और त्वरक;
 (vii) संगणित टोमोग्राफी (सीटी) यूनिट;
 (viii) मध्यवर्ती विकिरण विकिरणात्मक एक्स-रे यूनिट;
 (ix) औद्योगिक रेडियोग्राफी;
 (x) सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर अधिसूचित ऐसे अन्य स्रोत अथवा प्रक्रियाएँ।

बशर्ते कि—

- (i) ब्रेकीथेरेपी;
- (ii) गहन एक्स-रे यूनिट, ऊपरी और संस्पर्शी थेरेपी एक्स-रे यूनिट;
- (iii) गामा किरण प्रकोष्ठ;
- (iv) नाभिकीय औषध सुविधाओं;
- (v) रेडियोसक्रिय सामग्री युक्त न्यूक्लिओनिक गेजों और उपभोक्ता उत्पादों के वाणिज्यिक उत्पादन में कार्यरत सुविधाओं; और
- (vi) सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाने वाले अन्य स्रोत अथवा प्रक्रियाओं;

की संक्रिया से सम्बद्ध स्रोतों और प्रक्रियाओं के लिए प्राधिकृत किया जाना आवश्यक है।

बशर्ते यह भी कि—

- (i) थेरेपी सिमुलेटर सहित चिकित्सा नैदानिक एक्स-रे उपस्कर;
- (ii) अनुसंधान के लिए प्रयोग किए जाने वाले विश्लेषणात्मक एक्स-रे उपस्कर;
- (iii) न्यूक्लिओनिक गेज;
- (iv) आर आई ए प्रयोगशालाओं;
- (v) अनुरेखक अध्ययनों में रेडियोसक्रिय स्रोत;
- (vi) रेडियोसक्रिय सामग्री के प्रयोग द्वारा जैव-चिकित्सा अनुसंधान; और
- (vii) सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाने वाले अन्य स्रोत अथवा प्रक्रियाओं;

की संक्रिया से सम्बद्ध स्रोतों और प्रक्रियाओं के लिए पंजीकरण आवश्यक है।

बशर्ते यह भी कि—

- (i) विकिरण प्रतिष्ठापन के स्थल निर्धारण, अभिकल्पन, निर्माण, कमीशनन और डिकमीशनन के लिए अनुमोदन;
- (ii) विनिर्माण और आपूर्ति के प्रयोजनार्थ सीलबंद स्रोतों, विकिरण प्रजनन उपस्कर और रेडियोसक्रिय स्रोतों से युक्त उपस्कर के लिए अनुमोदन;
- (iii) रेडियोसक्रिय सामग्री के परिवहन हेतु पैकेज डिजाइन के लिए अनुमोदन;
- (iv) रेडियोसक्रिय खेतों की नौ-परिवहन संस्कीर्ति के लिए अनुमोदन; और
- (v) सक्षम प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाने वाले अन्य स्रोत अथवा प्रक्रियाओं;

हेतु सहमति लेना आवश्यक है।

- (4) कोई लाइसेंस सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति के बिना हस्तांतरणीय नहीं है।

4. **लाइसेंस का शुल्क :** सक्षम प्राधिकारी इन नियमों में विनिर्दिष्ट लाइसेंस जारी करने के लिए देय उपयुक्त शुल्क को सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा निर्धारित कर सकेगा।

5. **छूट :** ऐसे पदार्थ और सामग्री के उपयोग और निपटान जो स्वतः ही विकिरण की इतनी मात्रा उत्सर्जित करते हैं जो इस अधिनियम की धारा 2 की उप-धारा (1) के खण्ड (i) के अधीन जारी अधिसूचना द्वारा विहित विकिरण स्तर से ज्यादा नहीं है और ऐसे विकिरण प्रजनन उपस्कर, यंत्र अथवा उपकरणों का इस्तेमाल जिनसे उत्सर्जित विकिरण की मात्रा इस अधिनियम की धारा-3 के खण्ड (छ) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियंत्र सीमा से अधिक नहीं है, को नियम-3 के क्षेत्राधिकार से छूट प्रदान की गई है।

6. अपवर्जन : मानव शरीर में औजूद रेडियो-न्यूक्लियाइडों, पृथ्वी की सतह पर ब्रह्माण्डकीय विकिरण, जब्ते पदार्थों में रेडियो-न्यूक्लियाइडों के अपरिच्छित सांदर्भों के स्वाभाविक रूप से घटित होने के और ऐसे अन्य स्त्रोतों और प्रक्रियाओं के जिन्हें नियंत्रण के अनुरूप न होने के रूप में विहित किया गया हो, परिणामस्वरूप होने वाले उद्भासनों को इन नियमों में शामिल नहीं किया गया है।
7. कोई लाइसेंस जारी करने के लिए पुरोधाव्य शर्तें : (1) किसी लाइसेंस के लिए नियोजक अथवा उसके द्वारा विधिवत प्राधिकृत किए गए व्यक्ति द्वारा सक्षम प्राधिकारी को आवेदन प्रस्तुत किया जाए।
 (2) रेडियोसक्रिय सामग्री को हैंडल करने के लिए, अथवा विकिरण प्रजनन उपस्कर के प्रचालन के लिए कोई भी लाइसेंस किसी व्यक्ति को तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि सक्षम प्राधिकारी की राय में—
 (क) ऐसे लाइसेंस के लिए किया गया आवेदन इस अधिनियम द्वारा प्रतिस्थापित प्रयोजनों के लिए न हो;
 (ख) लाइसेंस से सम्बद्ध दस्तावेज संगत पूर्ण और सभी पहलुओं से पूरे करके सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत न किए गए हों;
 (ग) विकिरण प्रतिष्ठापन के लिए स्थल निर्धारण, अभिकल्पन, निर्माण, कमीशनन और डिंकमीशनन के अनुमोदन के संबंध में प्रस्तावित उपस्कर, सुविधाओं और हैंडलिंग प्रक्रियाओं में सामान्य अथवा नियत संक्रियाओं के दौरान पर्याप्त संरक्षण देने में समर्थ न हो;
 (घ) आवेदक न सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट संगत सुरक्षा कोडों और सुरक्षा मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रदर्शित न किया गया हो;
 (ङ) विकिरण प्रतिष्ठापन के प्रचालन हेतु लाइसेंस के संबंध में—
 (i) विकिरण प्रतिष्ठापन के निर्माण में सुरक्षा से संबंधित उन सभी आवश्यकताओं जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा संगत सुरक्षा कोडों और सुरक्षा मानकों में विनिर्दिष्ट की गई है, को संतोषजनक रूप से पूरा न किया गया हो;
 (ii) कर्मकारों को अपने नियत कार्यों के निष्पादन हेतु आवश्यक उपयुक्त योग्यता और प्रशिक्षण के अलावा विकिरण सुरक्षा के संबंध में भी उपयुक्त प्रशिक्षण और निर्देशों का ज्ञान न हो;
 (iii) विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा प्राधिकारी को नियम-19 के अनुसार पदनामित न किया गया हो;
 (iv) विकिरण निगरानी के प्रयोजनार्थ आवेदक के पास उपयुक्त विकिरण, मानिटर और डॉसिमीटर उपकरण उपलब्ध न हों;
 (च) उपस्कर, सुविधाएं और हैंडलिंग प्रक्रियाएं सामान्य संक्रियाओं के दौरान पर्याप्त संरक्षण न दे सकें, संभवित उद्भासन होने को कम न कर सकें और दुर्घटना घटने

पर उपयुक्त उपचारी कार्रवाई किए जाने में सहायता न हो सकें।

- (3) नियम-3 के तीसरे पांचवें के अधीन अधिसूचित अनुसार सीलबंद स्रोतों, विकिरण प्रजनन उपस्कर और रेडियोसक्रिय स्रोत युक्त उपस्कर के बारे में विनिर्माण और आपूर्ति के प्रयोजन हेतु किसी भी प्रकार का अनुमोदन अथवा रेडियोसक्रिय सामग्री के परिवहन हेतु पैकेज डिजाइन का अनुमोदन अथवा रेडियोसक्रिय स्रोत हेतु नी—परिवहन का अनुमोदन अथवा कोई भी अन्य प्रकार का अनुमोदन तब तक सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी नहीं किया जा सकेगा जब तक कि सक्षम प्राधिकारी की राय में आवेदक ने उनके द्वारा विनिर्दिष्ट संगत सुरक्षा कोडों और सुरक्षा मानकों का अनुपालन किया जाना प्रदर्शित न किया हो।

8. लाइसेंस जारी करना :—कोई भी लाइसेंस आवेदन प्राप्ति की तारीख से 180 दिन की समयावधि के भीतर जारी किया जाएगा बशर्ते कि लाइसेंस जारी किए जाने की सभी आवश्यकताओं को विधिवत रूप से पूरा किया गया हो।

9. किसी लाइसेंस की विधिमान्यता की अवधि :—नियम-3 के अधीन जारी किया गया प्रत्येक लाइसेंस ऐसे लाइसेंस को जारी करने की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगा जब तक कि अन्यथा विहित न हो।

10. लाइसेंस का निवारण, उसमें संशोधन अथवा उसका निवर्तन :—

सक्षम प्राधिकारी—

(i) की राय में यदि लाइसेंसधारी इन नियमों के प्रावधानों में से किसी का भी उल्लंघन किया है; अथवा

(ii) विकिरण सुरक्षा के संबंध में जनहित में आवश्यक समझें तो;

लाइसेंसधारी को कारण बताओ नोटिस देने और उसे इस नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर प्रस्तावित कार्रवाई के विरोध में प्रतिवेदन करने का भी अवसर देने और उसके प्रतिवेदन पर विचार करने के बाद,

(क) विनिर्दिष्ट समयावधि के लिए उस लाइसेंस के इस्तेमाल को निवारित कर सकता है; अथवा

(ख) उस लाइसेंस को रद्द कर सकता है अथवा उसकी शर्तें और निवंधनों में संशोधन कर सकता है।

11. किसी विकिरण प्रतिष्ठापन में कोई उपांतरण या उसकी कार्यकरण परिवर्तियों में परिवर्तन :—किसी विद्युत विकिरण प्रतिष्ठापन में कोई उपांतरण या उसकी कार्यकरण परिवर्तियों में परिवर्तन जो उसकी सुरक्षा को प्रभावित करती हों, सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा।

12. स्रोतों के उपयोग पर निवंधन :—(क) लाइसेंसधारी किसी भी ऐसे स्रोत को :

- (क) जो लाइसेंस में विनिर्दिष्ट स्रोतों से भिन्न हों;
- (ख) जो लाइसेंस में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए हों; और
- (ग) लाइसेंस में विनिर्दिष्ट अवस्थान के सिवाएँ किसी अन्य अवस्थान पर; हैंडल नहीं करेगा,
- (2) लाइसेंसधारी यह सुनिश्चित करेगा कि उन व्यक्तियों के अलावा जो लाइसेंस में विनिर्दिष्ट हैं, कोई और स्रोतों का हस्तान नहीं करेंगे।

13. कुछ प्रक्रियाओं पर नियन्त्रण :—(1) ऐसी प्रक्रियाओं जैसे कि खाद्य-पदार्थों, पेय-पदार्थों, खिलौनों, वैयक्तिक आभूषणों, और प्रसाधन-सामग्री अथवा अन्य किसी ऐसी वस्तु अथवा उत्पाद जो अन्तर्राष्ट्रीय, अन्तःश्वसन अथवा त्वचाप्रवेश द्वारा, अथवा अनुप्रयोग द्वारा किसी मानव के लिए हो, में सोच-समझकर रेडियोसक्रिय प्रदार्थों को डालना और ऐसे उत्पादों के विक्रय, आवात अथवा निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(2) उपरोक्त उत्पादों के सक्रियण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

14. विकिरण चिन्ह अथवा चेतावनी चिन्ह :—(1) विकिरण चिन्ह अथवा चेतावनी चिन्ह को निम्नलिखित पर हमेशा स्पष्ट रूप से और प्रमुख रूप से प्रदर्शित किया जाएगा :—

- (क) विकिरण उपस्कर्तों की, तथा रेडियोसक्रिय सामग्री भंडारित करने वाले पात्रों की; रेडियोसक्रिय सामग्री के पैकेजों और ऐसे पैकेजों को ले जाने वाले वाहनों की बाहरी दृष्टिक्षण सतहों पर;
- (ख) ऐसे कक्ष के प्रवेश द्वार पर जिसमें विकिरण प्रजनन उपस्कर रखा हो; और
- (ग) नियंत्रित क्षेत्र और पर्यावेक्षित क्षेत्र के प्रवेश द्वार पर।

(2) इन विकिरण चिन्ह का इन नियमों में उल्लिखित प्रयोजन से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा;

(3) इन विकिरण चिन्ह अथवा चेतावनी चिन्ह के विनिर्देशन वैसे ही होंगे जैसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा उस प्रयोजन के लिए अदेश द्वारा विहित किए जाएंगे।

15. मात्रा सीमाएं और अन्य नियामक प्रतिबंध :—लाइसेंसधारी इन नियमों के तहत अदेश द्वारा सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट मात्रा सीमाएं और अन्य नियामक प्रतिबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा।

16. सुरक्षा मानक और सुरक्षा कोड :—सक्षम प्राधिकारी विकिरण प्रतिष्ठापन, सीलबंद स्रोतों, विकिरण प्रजनन उपस्कर और रेडियोसक्रिय स्रोतों से युक्त उपस्कर, और रेडियोसक्रिय सामग्री के परिवहन से संबंधित आवश्यकताएं विहित करते हुए सम्म-सम्म पर सुरक्षा कोड और सुरक्षा मानक जारी कर सकेगा तथा लाइसेंसधारी इनका अनुपालन सुनिश्चित करेगा।

17. एक निश्चित आयु से कम आयु के व्यक्तियों के नियोजन का प्रतिपेद :—(1) 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को कर्मकार के रूप में नियोजित नहीं किया जाएगा;

(2) 16 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को विकिरण कार्य के लिए प्रशिक्षणीयों के रूप में नहीं लिया जाएगा अथवा प्रशिक्षण नियोजित नहीं किया जाएगा;

18. वर्गीकृत कर्मकार :—कोई भी नियोजित कर्मकार के लिए उन कर्मचारियों को वर्गीकृत कर्मकार के रूप में पदनामित करेगा जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित औसतन वार्षिक मात्रा सीमाओं के 30% हिस्से से अधिक प्रभावी मात्रा ग्रहण कर सकता है और नियोजित उन कर्मचारियों को उनसी समय सूचित करेगा कि उन्हें इस तरह पदनामित किया गया है।

19. विकिरण विकितसात्पक सुरक्षा अधिकारी :—प्रत्येक नियोजित सक्षम प्राधिकारी के लिखित अनुमोदन से ऐसे व्यक्ति को विकिरण विकितसात्पक सुरक्षा अधिकारी के रूप में पदनामित करेगा जिसके पास उपयुक्त (शैक्षणिक) योग्यताएं हों।

20. नियोजित के दायित्व :—(1) प्रत्येक नियोजित :

(क) सुनिश्चित करेगा कि इन नियमों के प्रावधारों को लाइसेंसधारी, विकिरण विकितसात्पक सुरक्षा अधिकारी और अन्य कर्मकार (कर्मकारों) द्वारा क्रियान्वित किया जाए;

(ख) लाइसेंसधारी, विकिरण विकितसात्पक सुरक्षा अधिकारी और अन्य कर्मकार (कर्मकारों) को अपने कार्य नियामक प्रतिबंधों के अनुरूप प्रभावी रूप से करने के लिए सुविधाएं और उपस्कर उपलब्ध कराएगा,

(ग) किसी कर्मकार को नियोजित करने से पूर्व, जहाँ लागू हो, उसके पहले वाले नियोजित से उसके मात्रा संबंधी रिकार्ड तथा स्वास्थ्य निगरानी रिपोर्ट प्राप्त करेगा;

(घ) किसी कर्मकार की सेवाएं रद्द करने पर उसके नए नियोजित को अनुरोध पर उसके मात्रा संबंधी रिकार्ड तथा स्वास्थ्य निगरानी रिपोर्ट उपलब्ध कराएगा;

(च) यदि लाइसेंसधारी अथवा विकिरण विकितसात्पक सुरक्षा अधिकारी अथवा कोई कर्मकार नैकरी छोड़ कर जाता है तो सक्षम प्राधिकारी को सूचित करेगा; और

(छ) नियम-25 के अधीन विनिर्दिष्ट अनुसार कर्मकारों की स्वास्थ्य निगरानी की व्यवस्था करेगा।

(2) नियोजित अपने कब्जे वाले विकिरण स्रोतों का अभिरक्षक होगा और हर समय इन स्रोतों की वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

(3) नियोजित उस स्रोत से संबंधित कोई दुर्घटना होने अथवा स्रोत के खो जाने पर जिसका वह अभिरक्षक है, 24 घंटे के भीतर सक्षम प्राधिकारी को सूचित करेगा।

21. लाइसेंसधारी के दायित्व :—(1) किसी लाइसेंस की शर्तों और नियंत्रणों के क्रियान्वयन की विनियोगी लाइसेंसधारी की होगी;
- (2) लाइसेंसधारी सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनियोगी नियामनी प्रक्रियाओं, सुरक्षा कोडों और सुरक्षा मानकों का अनुपालन करेगा;
- (3) प्रत्येक लाइसेंसधारी, जहाँ आवश्यक हो, कर्मकारों, चन्सामान्य और पर्यावरण तथा मरीजों का पर्याप्त संरक्षण, सुनिश्चित करने के लिए उद्भासन के नियंत्रण, मानीटरन और मूल्यांकन के बारे में लिखित प्रक्रियाएं और योजनाएं स्थापित करेगा;
- (4) लाइसेंसधारी इस अधिनियम के अंतर्गत जारी रेडियोसक्रिय अपशिष्ट-पदार्थों के सुरक्षित निपटान के नियमों के प्रावधान का अनुपालन करेगा;
- (5) उपयुक्त की व्यापकता के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह के लाइसेंसधारी :—
- (क) नियम-7 के उप-नियम (2) के खण्ड (ड) के उप-खण्ड (ii) में विनियोगी और नियम-17 के अधीन पहले से ही विचार कर लिए गए कर्मकारों के अलावा अन्य किसी को अनुमति नहीं देगा;
- (ख) कर्मकारों का रिकार्ड नियम-24 में विनियोगी अनुसार रखेगा;
- (ग) विकिरण संरक्षण उपस्कर और मानीटरन उपकरणों के बचाव और उपचारी अनुरक्षण की व्यवस्था करेगा;
- (घ) विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारी के परमार्थ से ऐसे किसी भी मामले की जाँच करेगा जिसमें हेक कर्मकार ने नियामक प्रतिबंधों से अधिक उद्भासन ग्रहण किया हो और ऐसे जाँच-परीक्षणों का रिकार्ड रखेगा;
- (ङ) नियामक प्रतिबंधों से अधिक उद्भासन के घटित होने के मामलों, उनकी जाँच और अनुकर्ता कर्वाई के साथ-साथ ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उपायों की सूचना तत्काल सक्षम प्राधिकारी को देना;
- (च) रेडियोसक्रिय सामग्री का वास्तविक सत्यापन आवधिक रूप से करेगा और भंडार सामग्री का रिकार्ड रखेगा;
- (छ) किसी भी स्रोत के खो जाने के बारे में स्थानीक स्तर पर उपयुक्त कानून प्रवर्तन एजेंसी को सूचित करेगा;
- (ज) किसी भी स्रोत के खो जाने के बारे में नियोजक और सक्षम प्राधिकारी को सूचित करेगा;
- (झ) स्रोत से होने वाली किसी भी दुर्घटना की जाँच करेगा और सक्षम प्राधिकारी को सूचित करेगा तथा जाँच के रिकार्ड को रखेगा;
- (ञ) विकिरण प्रतिष्ठापन में विकिरण मानीटरन प्रणालियों, सुरक्षा अन्तःपापणों, संरक्षी युक्तियों और अन्य कोई सुरक्षा प्रणालियों के कार्य-निष्पादन को सत्यापित करेगा;
- (ट) विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारियों के परामर्श से नियम-33 में विनियोगी अनुसार दुर्घटनाओं से निपटने

- के लिए आपातकालीन योजनाएं हेतु वर करेगा ताकि उनके परिणामों को कम किया जा सके, और आपातकालीन तैयारी के उपाय किए जाना सुनिश्चित करेगा;
- (ठ) संरचनाओं, प्रणालियों, संघटकों और स्रोतों तथा संबंधित उपस्कर के गुणवत्ता अश्वासन परीक्षण करेगा अथवा उनकी व्यवस्था करेगा;
- (ड) गर्भवती कर्मकार की कर्मवस्तु करने की परिस्थितियों में सुधार करने के बारे में नियोजक को प्राप्त करेगा;
- (इ) यदि विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारी अथवा कोई कर्मकार नौकरी छोड़ता है तो सक्षम प्राधिकारी को सूचित करेगा; और
- (ए) जब वह नौकरी छोड़ता है तो सक्षम प्राधिकारी को सूचित करेगा।
- (6) लाइसेंसधारी सुनिश्चित करेगा कि कर्मकार सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी संगत नियामनी प्रक्रियाओं, सुरक्षा मानकों, सुरक्षा कोडों, सुरक्षा निर्देशिकाओं और सुरक्षा मैनेजमेंटों की विकास-वस्तु से और आपातस्थिति से निपटने की योजनाओं से परिचित हों।
22. विकिरण विकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारी के दायित्व :—
- (1) विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारी का दायित्व होगा कि वह इन नियमों के प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लक्षित सुरक्षा पहलुओं के बारे में नियोजक और लाइसेंसधारी को प्राप्त करेगा और सहायता करें;
- (2) विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारी :—
- (क) विकिरण प्रतिष्ठापन के नियंत्रित क्षेत्र, पर्यावरणीय क्षेत्र में विकिरण और रेडियोसक्रियता के स्रोतों का नेमी आमापन और विस्तैषण करेगा तथा उनके परिणामों का रिकार्ड रखेगा;
- (ख) ऐसी किसी भी स्थिति की जाँच करेगा जिसके परिणामस्वरूप संभावित उद्भासन हो सकता है;
- (ग) नियोजक को—
- (i) उन आवश्यक उपायों जिनका लक्ष्य लाइसेंस संबंधी नियामक प्रतिबंधों और शर्तों तथा नियंत्रणों का पालन सुनिश्चित करना हो;
- (ii) विकिरण प्रतिष्ठापन में ही रेडियोसक्रिय पदार्थ का सुरक्षण भंडारण और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने;
- (iii) ऐसी किसी भी स्थिति जिससे संभावित उद्भासन हो सकते हों, के संबंध में उपयुक्त उपचारी उपाय करने; और
- (iv) विकिरण प्रतिष्ठापन के ऑफ-साइट पर्यावरण में विकिरण और रेडियोसक्रियता स्रोतों का नेमी आमापन और विस्तैषण करने तथा उनके परिणामों का रिकार्ड रखने;

के बारे में परामर्श देगा।

(घ) सुनिश्चित करेगा कि—

- (i) सभी खतरनाक स्थितियों की रिपोर्टें के साथ-साथ तुरंत की गई उपचारी कार्रवाईयों के विवरण सक्षम प्राधिकारी को रिपोर्ट करने के लिए नियोजक और लाइसेंसधारी को उपलब्ध कराए जाएं तथा उसकी प्रति सक्षम प्राधिकारी को पृष्ठांकित की जाए;
- (ii) संरचनाओं, प्रणालियों, संधटकों और स्रोतों के यथा प्रयोज्य गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण किए जाएं; और
- (iii) मानीटरन उपकरणों का अंशांकन आवधिक रूप से किया जाय;

(ङ) नियोजक को—

- (i) विकिरण के खतरों के और विकिरण स्रोतों के उद्भासन के इष्टतम बनाने के उद्देश्य वाले उपयुक्त सुरक्षा उपायों तथा कार्य प्रक्रियाओं के बारे में कर्मकारों को निर्देश देने;
- (ii) रेडियोसक्रिय अपशिष्ट पदार्थों के सुरक्षित निपटान; और
- (iii) दुर्घटनाओं से निपटने के लिए उपयुक्त आपातकालीन योजनाएं बनाने और आपातस्थिति से निपटने की तैयारी दुरुस्त रखने; में सहायता करेगा।

(च) लाइसेंसधारी को—

- (i) गर्भवती कर्मकार की कार्य परिस्थितियों में सुधार करने; और
- (ii) रेडियोसक्रिय स्रोतों की संरक्षा और सुरक्षा; के बारे में परामर्श देगा;
- (छ) लाइसेंसधारी और सक्षम प्राधिकारी को विकिरण प्रतिष्ठापन की सुरक्षा संबंधी स्थिति के बारे में आवधिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा;
- (ज) जब वह नौकरी छोड़ता है तब सक्षम प्राधिकारी को सूचित करेगा।

23. कर्मकार के दायित्व :—(1) प्रत्येक कर्मकार सुरक्षा संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करेगा और सुरक्षा प्रक्रियाओं तथा अनुदेशों का पालन करेगा और जानबूझ कर ऐसा कोई भी कार्य नहीं करेगा जो स्वयं, सहकर्मी, विकिरण प्रतिष्ठापन और जन-सामान्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

(2) कर्मकार :—

- (क) नियोजक को विकिरण कार्य, यदि कोई है, सहित अपने पहले रोजगारों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराएगा;
- (ख) उपलब्ध कराए गए संरक्षी उपस्कर, विकिरण मानीटरों और कार्मिक मानीटरन युक्तियों का ठीक से इस्तेमाल करेगा; और

(ग) उसकी जानकारी में आने वाली किसी भी दुर्घटना अथवा संभावित रूप से खतरनाक स्थिति को सूचना लाइसेंसधारी और विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारी को देगा;

(3) महिला कर्मकार यह ज्ञात होने पर कि वह गर्भवती है नियोजक, लाइसेंसधारी और विकिरण चिकित्सात्मक सुरक्षा अधिकारी को क्रम से सूचित करेगी कि उसकी कार्य परिस्थितियों में यदि आवश्यक हो तो सुधार किया जाए।

24. कर्मकारों के रिकार्ड :—(1) प्रत्येक लाइसेंसधारी—

- (क) सक्षम प्राधिकारी द्वारा आदेश के द्वारा विनिर्दिष्ट फार्मेट में नियम-27 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) के तहत कार्मिक मानीटरन; और
- (ख) नियम-25 में विनिर्दिष्ट स्वास्थ्य निगरानी; का सम्पूर्ण और अद्यतन रिकार्ड रखेगा।

(2) ऐसे रिकार्ड प्रत्येक कर्मकार के कार्यकाल के दौरान, और उसके बाद तब तक जब तक कि कर्मकार 75 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं करता अथवा प्राप्त कर लेता है, अथवा वृत्तिक उद्भासन संबंधी कार्य को रद्द कर दिए जाने के बाद कम-से-कम 30 वर्षों, जो भी बाद में घटित हो, सुरक्षित रखे जाएंगे।

(3) कर्मकार को अपने कार्मिक मानीटरन और स्वास्थ्य निगरानी रिकार्डों को देख सकने की छूट होगी।

25. कर्मकारों की स्वास्थ्य निगरानी :—(1) प्रत्येक नियोजक वर्गीकृत कर्मकारों के वृत्तिक स्वास्थ्य निगरानी करने के लिए उपयुक्त शैक्षणिक योग्यताओं वाले चिकित्सक (फिजिशियन) की सेवाएं उपलब्ध कराएंगा।

(2) प्रत्येक कर्मकार नियोजन होने पर शुरू में, और वर्गीकृत कर्मकार, उसके बाद 3 साल में कम-से-कम एक बार तब तक जब तक वह व्यक्ति नियोजित है, को निम्नलिखित में से गुजरना होगा—

(क) सक्षम प्राधिकारी द्वारा द्वारा विनिर्दिष्ट सामान्य चिकित्सा जाँच; और

(ख) स्वास्थ्य निगरानी ताकि प्रत्येक कर्मकार के उसके नियत काम के लिए फिट होने के बारे में निर्णय किया जा सके।

(3) स्वास्थ्य निगरानी में—

(क) उन कर्मकारों जिन्होंने नियामक प्रतिबंधों से अधिक मात्रा ग्रहण की है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा आदेश के द्वारा विनिर्दिष्ट विशेष परीक्षण अथवा चिकित्सा जाँच; और

(ख) गर्भवती कर्मकारों को परामर्श देना; शामिल होंगे।

26. चिकित्सीय उद्भासन :— जो लाइसेंसधारी विकिरण प्रजनन उपस्कर, सीलबंद और बिना सील बंद वाले स्रोतों का प्रयोग करके नैदानिक अथवा उपचारी कार्य करता है उसे चिकित्सीय उद्भासन को इष्टतम बनाने के लिए सुनिश्चित करना होगा कि :—

(क) उस उपस्कर के कार्य-निष्पादन का आवधिक रूप से उपयुक्त गुणवत्ता आश्वासन परीक्षणों के द्वारा सत्यापन कर लिया गया है;

- (ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट अधिकार के लिए :—
- इलाज के द्वारा विकिरण की मात्रा ग्रहण कर रहे रेगिस्ट्री;
 - नैदानिक और उपचार के प्रयोजनार्थ भरीजों को दी जाने वाली विकिरण-सक्रियता; और
 - अन्य संगत प्राचल;
- के बारे में रिकार्ड रखे जा रहे हैं।
- (ग) जैव-चिकित्सीय अनुसंधान के लिए मानवों पर उद्भासन केवल स्वस्थ स्वयंसेवकों पर लिखित में उनकी पूर्ण सहमति लेकर किया गया है, इसकी क्रियाविधि, स्वयंसेवकों की संख्या और विकिरण की जितनी मात्रा उन्हें दी गई है की समीक्षा नियोजक द्वारा गठित नैतिक पुनरीक्षा समिति द्वारा की जाएगी; और
- (घ) अकस्मात् हुए किसी भी चिकित्सीय उद्भासन की जाँच की जाएगी और लिखित रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी।

27. विकिरण निगरानी आवश्यकताएँ :— (1) सक्षम प्राधिकारी आदेश द्वारा उपयुक्त विकिरण निगरानी आवश्यकताएँ और प्रक्रियाएँ विनिर्दिष्ट कर सकेगा तथा नियोजक और लाइसेंसधारी उनका अनुपालन करेगे,

- (2) पूर्वोक्त प्रावधानों की व्यापकता के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह के ऐसी विकिरण निगरानी आवश्यकताओं और प्रक्रियाओं में उपबंधित किया जाएगा कि :—
- (क) विकिरण के उपयोग वाली सुविधाओं के स्थल निर्धारण, अभिकल्पन, निर्माण, कमीशनन, प्रचालन, सर्विसिंग और अनुरक्षण तथा डिकमीशनन, और रेडियोसक्रिय सामग्री के निपटान उन विनिर्देशनों के अनुसार किए जाएंगे जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा संगत सुरक्षा कोडों और सुरक्षा मानकों में विहित किए गए हैं;
- (ख) कर्मकारों का कार्मिक भागीटरन और स्वास्थ्य निगरानी करनी होगी तथा उनके उपयुक्त रिकार्ड रखे जाएंगे;
- (ग) जनाबादी वाले क्षेत्र में रेडियोसक्रिय सामग्री का परिवहन सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित प्रक्रियाओं के अनुसार और विभिन्न तरीकों से परिवहन किए जाने से सम्बद्ध अन्य विनियमों के अनुसार किया जाएगा; और
- (घ) उपरोक्त के संबंध में उत्त्युक्त गुणवत्ता आशासन अपेक्षाओं को पूरा किया जाएगा,

28. नियामक ग्रन्तिवर्धी से अधिक उद्भासन के मामले में निदेश :— (1) जब, सक्षम प्राधिकारी की राय में, किसी कर्मकार ने प्रतिबंधित से अधिक भाग ग्रहण कर ली हो, जो सक्षम प्राधिकारी अन्य उपलब्ध कार्रवाई के तरीके के प्रति बिना किसी पूर्वाग्रह के और अधिक उद्भासन होने को नियंत्रित करने के लिए उपयुक्त निदेश जारी कर सकता है और नियोजक उन निदेशों का अनुपालन करेगा।

- (2) यदि कोई कर्मकार इस नियम के अधीन जारी किए गए सक्षम प्राधिकारी के निदेशों के तहत विकिरण कार्य करना बंद कर

देता है तो, नियोजक उसे उस समय तक ऐसा वैकल्पिक कार्य जिसमें विकिरण उद्भासन की संभावना न हो, करने को देगा, जब तक कि सक्षम प्राधिकारी उस कर्मकार के विकिरण कार्य करने के लिए फिट हो जाने के बारे में संतुष्ट नहीं हो जाता।

- (3) नियोजक इस संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा लगाए गए निबंधनों, यदि कोई हैं, का अनुपालन करेगा।

29. व्यक्तियों अथवा एजेंसियों को नियुक्त करने अथवा मान्यता देने की शक्ति :— सक्षम प्राधिकारी, समय-समय पर, ऐसे व्यक्तियों और एजेंसियों को नियुक्त कर सकता है अथवा मान्यता दे सकता है जिनके पास प्राधिकारी द्वारा उन्हें सौंपे गए प्रकार्यों में से किसी भी प्रकार्य के निष्पादन के प्रयोजन हेतु और वैकरणिकी निगरानी के साथ अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु संगत सुरक्षा कोड में विहित योग्यताएँ और विशेषज्ञता हों,

30. परिसरों, विकिरण प्रतिष्ठापनों और वाहनों का निरीक्षण :— (1) इस अधिनियम की धारा-17 की उप-धारा (4) के अधीन विधिवत् रूप से प्राधिकृत कोई भी व्यक्ति इन नियमों के प्रवर्तन के प्रयोजनार्थ किसी भी परिसर, अथवा विकिरण प्रतिष्ठापन अथवा वाहन का निरीक्षण कर सकेगा।

- (2) निरीक्षण की तारीख और समय नियोजक को अथवा लाइसेंसधारी को निरीक्षण से पहले बताए अथवा नहीं बताए जा सकते हैं,
- (3) नियोजक और लाइसेंसधारी ऐसे निरीक्षण को प्रभावी रूप से और बिना किसी बाधा के पूरा किए जा सकने के लिए सभी सहायता उपलब्ध कराएगा,
- (4) निरीक्षण के निष्कर्षों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई के लिए लाइसेंसधारी को अग्रेशित किया जाएगा।
- (5) लाइसेंस देने के सभी चरणों, नामतः स्थल निर्धारण, निर्माण, कमीशनन, प्रचालन और डिकमीशनन के चरणों पर निरीक्षण किए जा सकेंगे,
- (6) निरीक्षण करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति—

(क) सुरक्षा की दृष्टि से यह सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण करेगा कि लाइसेंसधारी ने लाइसेंस में निहित अनुबंधों के अनुसार विकिरण प्रतिष्ठापन में प्रक्रियाओं के निष्पादन के लिए आवश्यक वैकरणिकी सुरक्षा अपेक्षाओं को पूरा किया है, इसमें :—

- (i) सक्षम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट संगत सुरक्षा कोडों और सुरक्षा मानकों के आधार पर जाँच करना कि सुरक्षा से संबंधित संरचनाएँ, प्रणालियाँ, संघटक और युक्तियाँ अनुमोदित गुणवत्ता वाली हैं तथा यह कि वे अभिकल्पन के आशय के अनुसार कार्य कर रहे हैं, (यह जाँच करके कि प्रत्येक प्रचालन कार्मिक उस सुविधा का प्रचालन करने के लिए सक्षम है)।
- (ii) यह कि सुविधाएँ अनुमोदित तकनीकी विनिर्देशनों के अनुसार संचालित की जा रही हैं; और

- (iii) आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी परीक्षण करना (संगत रिकार्डों के सत्यापन सहित) शामिल हैं।
- (ख) ऐसे परीक्षण और आमापन करना जो विकिरणी सुरक्षा के मूल्यांकन के प्रबोचनार्थी भी आवश्यक हो।
- (ग) विकिरण प्रतिष्ठापन में अटिट असामान्य घटनाओं अथवा दुर्घटनाओं, यदि कोई हों, की जाँच पड़ताल करना तथा उनके कारणों का पता लगाना और उन्हें दुरुस्त करने के लिए उपकारी सिफारिश करना।
- (घ) इसकी पुनरीक्षा और सत्यापन करना कि उपचारी कार्रवाई पूरी कर सी गई है या नहीं;
- (ड) रेडियोसक्रिय सामग्री से जाने वाले किसी भी वाहन में रखी रेडियोसक्रिय खेतों का निरीक्षण करना और रेडियोसक्रिय सामग्री वाले किसी भी पैकेज का निरीक्षण करना।

31. विकिरण प्रतिष्ठापन अथवा रेडियोसक्रिय सामग्री की जाँच-पड़ताल, सील अथवा अब्ज करने की तथा निवेदक को दिशा-निर्देश देने की व्यक्ति:— (1) इस अधिनियम की धारा-17 के अधीन विधिक व्यक्ति कोई भी व्यक्ति निरीक्षण के बाद इन नियमों के किसी भी प्रावश्यक उल्लंघन के बारे में निर्णय लेने के प्रयोजन से जाँच-पड़ताल कर सकता है;

(2) यह जाँच-पड़ताल किसी शिक्षण पर अथवा शक होने पर अथवा किसी असामान्य घटना या दुर्घटना के बाद की जा सकती।

(3) इस जाँच-पड़ताल के लिए प्राविकृत व्यक्ति:

- (क) किसी भी विकिरण प्रतिष्ठापन अथवा रेडियोसक्रिय सामग्री ले जाने वाले किसी भी वाहन को सील कर सकता है अथवा किसी भी रेडियोसक्रिय सामग्री अथवा संदूषित उपस्कर को जब्त कर सकता है; और
- (ख) नियोजक को लिखित रूप में ऐसी कोई सिफारिश कर सकता है जिसका उद्देश्य वर्वाप्त संरक्षण सुनिश्चित करना हो तथा लाइसेंसधारी उसका अनुपालन करेगा।

32. दुर्घटनाओं के अवज्ञे में निर्देश:— (1) किसी भी अथवा रेडियोसक्रिय सामग्री के उन्मुक्त होने से हुई दुर्घटना के मामले में सक्षम प्राधिकारी

- (क) हस्तक्षेप कर सकता है और विकिरण सुरक्षा के हित में ऐसी परिस्थितियों के अंतर्गत जो भी सही और उचित हो निर्देश जारी कर सकता है तथा नियोजक को सक्षम प्राधिकारी के निरेशों के अनुसार कार्रवाई करेगा और दुर्घटना के परिणामों को प्रभावहीन करने का हर प्रयास करेगा, अथवा
- (ख) दुर्घटना के परिणामों को न्यूक्लियर करने के लिए परामर्श देने अथवा सहायता करने के लिए सक्षम प्राधिकारी विशेषज्ञ नियुक्त कर सकता है और इस पर यदि कोई व्यय होता है तो उसकी भरपाई नियोजक द्वारा की जाएगी,

(2) विकिरण प्रतिष्ठापन, कर्मकारों, भ्रन-सामान्य और पर्यावरण की सुरक्षा के हित में सक्षम प्राधिकारी ऐसे निर्देश जारी कर सकता है जो सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वह ठीक समझे जिसमें विकिरण प्रतिष्ठापन को तुरंत बद किया जाना भी शामिल है, और नियोजक इन निर्देशों का अनुपालन करेगा।

33. आपात-स्थिति से निपटने की तैयारी:— (1) लाइसेंसधारी सक्षम प्राधिकारी द्वारा संगत सुरक्षा कोडों में विनिर्दिष्ट अनुसार आपातस्थिति से निपटने की योजनाएं बनाएगा और आपातस्थिति से निपटने की योजनाएं बनाएगा;

- (2) लाइसेंसधारी संबंधी संबंधी आपातस्थितियों और स्थल संबंधी आपातस्थितियों से निपटने की योजनाएं अनुमोदन के लिए सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।
- (3) लाइसेंसधारी ऑफ-साइट आपात-स्थितियों से निपटने के लिए उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा तैयार की गई योजनाएं पुनरीक्षा के लिए सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।
- (4) नियम 3 के उप-नियम (3) के खण्ड (क) और नियम-3 के उप-नियम (3) के खण्ड (ख) द्वारा शासित विकिरण प्रतिष्ठापनों के संबंध में आपातस्थिति से निपटने की योजनाएं उन प्रतिष्ठापनों को कमीशन करने से पहले ही सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत की जाएंगी।
- (5) आपात-योजना में कोई संशोधन करने के लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा उसके द्वारा पुनरीक्षा किया जाना आवश्यक होगा।

33. विकिरण प्रतिष्ठापन का डिकमीशनन:— (1) जब किसी विकिरण प्रतिष्ठापन अथवा विकिरण प्रजनन उपस्कर का इस्तेमाल किया जाना बंद कर दिया जाता है तो नियोजक को उसका डिकमीशनन सुनिश्चित करेगा।

- (2) कोई भी नियोजक किसी विकिरण प्रतिष्ठापन का डिकमीशनन सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति लिए बिना नहीं करेगा।
- (3) डिकमीशनन योजना में रेडियोसक्रिय अपरिस्ट पदार्थों के निपटान, सामग्री का पुनः चक्रण, और उपस्कर तथा परिसरों का पुनः उपयोग किए जाने का उपयुक्त संज्ञान लेना होगा।
- (4) लाइसेंसधारी ऐसे निरेशों का अनुपालन करेगा जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा डिकमीशन किए गए प्रतिष्ठापन में भौजूद और आस-पास भौजूद व्यक्तियों की पर्याप्त संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए जारी किए जाएंगे।

35. अधराध और शासितयाँ:— कोई भी व्यक्ति जो इन नियमों के किसी उपबंध वा तद्धीन जारी किए गए लाइसेंस के निबंधनों और सतों का उल्लंघन करता है वह इस अधिनियम के अधीन यथा-उपबंधित दंडनीय होगा,

[फा. सं. ईए/30(1)/2002-ईआर]

व्यो. पी० राजा, संयुक्त सचिव

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Mumbai, the 25th August, 2004

G.S.R. 303.—In exercise of the powers conferred by Section 30 read with Section 3 and clause (i) and sub-clauses (c) and (d) of clause (ii) of Sub-Section (1), Sub-Section (4) of Section 14, and Sections 16, 17 and other relevant Sections of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962) and all other powers enabling it in this behalf, and in supersession of Radiation Protection Rules 1971 except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title, extent and commencement.**—(1) These rules may be called the Atomic Energy (Radiation Protection) Rules, 2004.
 - (2) These rules shall apply to practices adopted and interventions applied with respect to radiation sources.
 - (3) They extend to the whole of India.
 - (4) They shall come into force from the date of their final publication in the Official Gazette.
2. **Definitions.**—(1) In these rules, unless the context otherwise requires :—
 - (a) “accident” means any unintended event, including operating error, equipment failure or other mishap, the consequences or potential consequences of which are not negligible from the radiation protection point of view;
 - (b) “Act” means the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962);
 - (c) “activation” means production of induced radioactivity by nuclear reactions;
 - (d) “activity” means the average number of spontaneous nuclear transformations taking place per unit time in a radioactive substance or material;
 - (e) “adequate protection” means protection against radiation so provided that the regulatory constraints notified by the competent authority are not exceeded;
 - (f) “appropriate” means appropriate in the opinion of the competent authority to ensure adequate protection;
 - (g) “competent authority” means any officer or authority referred to in Section 27 of the Act;
 - (h) “contamination” means the presence of a radioactive substance in or on a material or in the human body or other place in excess of quantities specified in the relevant safety codes by the competent authority;
 - (i) “controlled area” means any area in which specific protection measures and safety provisions are or could be required for :

- (a) controlling exposures or preventing the spread of contamination during normal working conditions; and
- (b) preventing or limiting the extent of potential exposures;
- (i) “conveyance” means :—
 - (i) any vehicle for the purpose of transport by road;
 - (ii) any vessel, hold, or deck defined under the law being in force, for the purposes of transport by water; and
 - (iii) any aircraft for the purpose of transport by air;
- (k) “decommissioning” means discontinuation of the use of radiation equipment or installation on a permanent basis, with or without dismantling the equipment, including removal or containment of radioactive materials;
- (l) “dose” means absorbed dose, organ dose, equivalent dose, effective dose, or committed equivalent dose, or committed effective dose depending on the context;
- (m) “employer” means any person who employs workers or imparts training using sources or who is self-employed as a worker, in a radiation installation;
- (n) “exposure” means the act or condition of being exposed to radiation;
- (o) “handle” means manufacture, possess, store, use, transfer by sale or otherwise, export, import, transport or dispose of;
- (p) “intervention” means any action to reduce or avert exposure or likelihood of exposure to sources which are not part of controlled practice or which are out of control as a result of accident;
- (q) “licence” means a licence issued under rules 3;
- (r) “licensee” means a person to whom licence has been issued under these rules;
- (s) “medical exposure” means exposure incurred by—
 - (i) patients as part of their own medical diagnosis or treatment;
 - (ii) persons, other than occupationally exposed, while knowingly and willingly helping in the support and comfort of patients; and
 - (iii) volunteers in biomedical research;
- (t) “nuclear fuel cycle” means all operations associated with the production of nuclear energy, including mining, milling, processing

63861/04-5

- of uranium or thorium; enrichment of uranium; manufacture of nuclear fuel; operation of reactors; reprocessing of nuclear fuel; decommissioning; radioactive waste management and any research or development activity related to any of the foregoing;
- (u) "off-site emergency" means accident condition or emergency situation involving excessive release of radioactive materials/hazardous chemicals from the plant into public domain calling for an intervention;
- (v) "person" shall include an individual or a company or association or body of individuals, whether incorporated or not; or Central Government or a State Government;
- (w) "personnel monitoring" means determination or estimation of the dose received by an individual from external and/or internal radiation;
- (x) "potential exposure" means exposure that is not expected to be delivered with certainty but which can result from an accident involving a source or due to an event or sequence of events of a probabilistic nature including equipment failure and operating errors;
- (y) "practice" means any human activity that introduces additional sources or exposure pathways or extends exposure to additional people or modifies the network of exposure pathways from existing sources, which may increase the exposure or likelihood of exposure of people or the number of people exposed;
- (z) "quality assurance" means any planned and systematic action necessary to provide adequate confidence that a structure, system, component or procedure will perform satisfactorily, in compliance with safety standards specified by the competent authority, and includes quality control;
- (za) "quality control" means the set of operations (programming, coordinating, implementing) intended to maintain or to improve quality and includes monitoring, evaluation and maintenance at required levels of performance;
- (zb) "radiation installation" means any location or facility, including a mobile facility, in which a radiation generating equipment or plant or radioactive material is present and which in the opinion of the competent authority requires radiation surveillance for ensuring adequate protection against radiation;
- (zc) "radiation surveillance" means measures, including measurements and reviews performed, to ensure adequate protection;
- (zd) "radiation work" means work involving exposure;
- (ze) "radiation worker" means any person who is occupationally exposed to radiation;
- (zf) "radiological Safety Officer" means any person who is so designated by the employer with the approval of the competent authority;
- (zg) "regulatory constraints" means restriction on radiation protection parameters notified by the competent authority;
- (zh) "sealed source" means radioactive material that is—
 (i) permanently sealed in a capsule; or
 (ii), in a solid form which is closely bounded and
 (b) is designed to meet the safety standards prescribed by the competent authority;
- (zi) "source" means a radioactive material or a radiation generating plant or equipment;
- (zj) "supervised area" means any area not already designated as a controlled area but where occupational exposure conditions are kept under review even though specific protection measures and safety provisions are not normally needed;
- (zk) "unsealed source" means any radioactive material that is not a sealed source; and
- (zl) "worker" means radiation worker.
- (2) Words and expressions used in these rules and not defined but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.
3. **Licence :**—(1) No person shall, without a licence—
 (a) establish a radiation installation for siting, design, construction, commissioning and operation; and
 (b) decommission a radiation installation.
- (2) No person shall handle any radioactive material, or operate any radiation generating equipment except in accordance with the terms and conditions of a licence.
- (3) A licence shall be issued for sources and practices associated with the operation of—
 (i) nuclear fuel cycle facilities;
 (ii) land based high intensity gamma irradiators other than gamma irradiation chambers;
 (iii) particle accelerators used for research and industrial applications;
 (iv) neutron generators;
 (v) facilities engaged in the commercial production of radioactive material or radiation generating equipment;

- (vi) telegamma and accelerators used in radiotherapy;
- (vii) computed tomography (CT) unit;
- (viii) interventional radiological X-ray unit;
- (ix) industrial radiography; and
- (x) such other source or practice as may be notified by the competent authority, from time to time.

Provided that for sources and practices associated with the operations of-

- (i) brachytherapy;
- (ii) deep x-ray units, superficial and contact therapy x-ray units;
- (iii) gamma irradiation chambers;
- (iv) nuclear medicine facilities;
- (v) facilities engaged in the commercial production of nucleonic gauges and consumer products containing radioactive material; and
- (vi) such other source or practice as may be notified by the competent authority, from time to time;

an authorisation shall be necessary :

Provided further that for sources and practices associated with the operation of -

- (i) medical diagnostic X-ray equipment including therapy simulator;
- (ii) analytical X-ray equipment used for research;
- (iii) nucleonic gauges;
- (iv) RIA laboratories;
- (v) radioactive sources in tracer studies;
- (vi) biomedical research using radioactive material; and
- (vii) such other source or practice as may be notified by the competent authority, from time to time;

a registration shall be necessary.

Provided also that for-

- (i) approval for siting, design, construction, commissioning and decommissioning of a radiation installation;
- (ii) approval for sealed sources, radiation generating equipment and equipment containing radioactive sources, for the purposes of manufacture and supply;
- (iii) approval for package design for transport of radioactive material;
- (iv) approval for shipment approval for radioactive consignments; and
- (v) such other source or practice as may be notified by the competent authority, from time to time;

consent shall be necessary.

(4) The licence shall not be transferable without the prior approval of the competent authority.

4. **Fees for licence :** The competent authority may prescribe by notification in the Official Gazette, appropriate fees payable for issuance of licence specified in these rules.

5. **Exemption :** The use and disposal of any substance and materials which spontaneously emit radiation not exceeding the level of radiation prescribed by notification issued under clause (i) of sub-section (1) of Section 2 of the Act and the use of radiation generating equipment, devices or appliances emitting radiation not exceeding the limit determined by the Central Government under clause (g) of Section 3 of the Act, are exempted from the purview of rule 3.

6. **Exclusion :** Exposures resulting from naturally occurring radionuclides present in the human body, cosmic radiation at the earth surface, unmodified concentrations of radionuclides in raw materials and from other sources and practice which may be prescribed as not amenable for control, are excluded from these rules.

7. **Conditions precedent to the issuance of a licence :**

- (1) An application for licence shall be made by to the competent authority by an employer or a person duly authorized by him.
- (2) No licence to handle radioactive material, or to operate radiation generating equipment, shall be issued to a person unless, in the opinion of the competent authority-
 - (a) the application for such licence is for purposes envisaged by the Act;
 - (b) documentation relevant to the licence and complete in all respects is submitted to the competent authority;
 - (c) in respect of approval for siting, design, construction, commissioning and decommissioning of a radiation installation, the proposed equipment, facilities and handling procedures afford adequate protection during normal or intended operations;
 - (d) the applicant has demonstrated compliance with the provisions of the relevant safety codes and safety standards specified by the competent authority; and
 - (e) in respect of licence for operation of a radiation installation-
 - (i) all the requirements relating to safety specified by the competent authority in the relevant safety codes and safety standards have been satisfied in the construction of the radiation installation;
 - (ii) workers have appropriate training and instructions in radiation safety, in addition to the appropriate qualification

- and training required for performing their intended tasks;
- (iii) a Radiological Safety Officer is designated in accordance with rule 19;
 - (iv) appropriate radiation monitors and dosimetry devices are available with the applicant for purposes of radiation surveillance;
 - (f) the equipment, facilities and handling procedures afford adequate protection during normal operations, minimize occurrence of potential exposures and enable appropriate remedial actions to be taken in the event of an accident.
- (3) No type approval of sealed sources, radiation generating equipment and equipment containing a radioactive source for the purpose of manufacture and supply or package design approval for transport of radioactive materials or shipment approval for radioactive consignment or any other approval as notified under third proviso to rule 3, by the competent authority may be issued unless, in the opinion of the competent authority, the applicant has demonstrated compliance with the relevant safety codes and safety standards specified by him.

8. Issuance of licence : The licence shall be issued within a period of one hundred and eighty days from the date of receipt of the application subject to the condition that all the requirements for issuance of the licence have been duly fulfilled.

9. Period of validity of licence : Every licence issued under rule 3 shall, unless otherwise specified, be valid for a period of five years from the date of issue of such licence.

10. Suspension, modification or withdrawal of a licence : The competent authority may—

- (i) if in its opinion, the licensee has contravened any of the provisions of these rules; or
- (ii) considers it to be necessary in public interest pertaining to radiation safety;

after giving a show cause notice to the licensee and also giving him an opportunity to make a representation within a period of thirty days from the date of receipt of the notice by him against the action proposed to be taken and on consideration of his representation,

- (a) suspend the operation of the licence for a specified period of time; or
- (b) revoke or modify the terms and conditions of the licence.

11. Modification of radiation installation or change in working condition : No modification to an existing radiation installation or no change in working conditions therein, affecting safety shall be done without the prior approval of the competent authority.

12. Restrictions on use of sources : (1) The licensee shall not handle any source :-

- (a) other than those specified in the licence;
- (b) for any purpose other than those specified in the licence; and
- (c) in any location except as specified in the licence.

(2) The licensee shall ensure that individuals other than those who may be specified in the licence do not handle the source.

13. Restriction on certain practices : (1) Practices such as deliberate addition of radioactive substances in foodstuffs, beverages, toys, personal ornaments, and cosmetics or any other commodity or product intended for ingestion, inhalation or percutaneous intake by, or application to, a human being and sale, import or export of such products shall not be permitted.

(2) Activation of the aforesaid products shall not be permitted

14. Radiation symbol or warning sign : (1) The radiation symbol or warning sign shall be conspicuously and prominently displayed at all times -

- (a) on externally visible surfaces of radiation equipment, and containers for storage of radioactive materials; packages for radioactive materials and vehicles carrying such packages;
- (b) at the entrance to the room housing the radiation generating equipment; and
- (c) at the entrance of controlled area and supervised area.

(2) The radiation symbol shall not be used for any purpose other than those mentioned in these rules.

(3) The specification of the radiation symbol or warning sign shall be as prescribed by the competent authority, by order for that purpose.

15. Dose limits and other regulatory constraints : The licensee shall ensure compliance with the dose limits and other regulatory constraints specified by the competent authority by order under these rules.

16. Safety standards and safety codes : The competent authority may issue safety codes and safety standards, from time to time, prescribing the requirements for radiation installation, sealed sources, radiation generating equipment and equipment containing radioactive sources, and transport of radioactive material and the licensee shall ensure compliance with the same.

17. Prohibition of employment of persons below certain age : (1) No person under the age of 18 years shall be employed as a worker.

(2) No person under the age of 16 years shall be taken as trainee or employed as an apprentice for radiation work.

18. Classified worker : The employer shall designate as classified workers, those of his employees, who are likely to receive an effective dose in excess of three-tenths of the average annual dose limits notified by the competent authority and shall forthwith inform those employees that they have been so designated.

19. Radiological Safety Officer : Every employer shall designate, with the written approval of the competent authority, a person having appropriate qualifications as Radiological Safety Officer.

20. Responsibilities of the employer : (1) Every employer shall :

- (a) ensure that provisions of these rules are implemented by the licensee, Radiological Safety Officer and other worker(s).
- (b) provide facilities and equipment to the licensee, Radiological Safety Officer and other worker(s) to carry out their functions effectively in conformity with the regulatory constraints.
- (c) prior to employment of a worker, procure from his former employer, where applicable, the dose records and health surveillance reports.
- (d) upon termination of service of worker provide to his new employer on request his dose records and health surveillance reports.
- (e) furnish to each worker dose records and health surveillance reports of the worker in his employment annually, as and when requested by the worker and at the termination of his service.
- (f) inform the competent authority if the licensee or the Radiological Safety Officer or any worker leaves the employment, and
- (g) arrange for health surveillance of workers as specified under rule 25.

(2) The employer shall be the custodian of radiation sources in his possession and shall ensure physical security of the sources at all times.

(3) the employer shall inform the competent authority, within twenty four hours, of any accident involving a source or loss of source of which he is the custodian.

21. Responsibilities of the licensee : (1) The responsibility for implementing the terms and conditions of the licence shall rest with the licensee.

(2) The licensee shall comply with the surveillance procedures, safety codes and safety standards specified by the competent authority.

(3) Every licensee shall establish written procedures and plans for controlling, monitoring and assessment of exposure for ensuring adequate protection of workers, members of the public and the environment and patients, wherever applicable.

(4) The licensee shall comply with the provision of rules for safe disposal of radioactive waste issued under the Act.

(5) Without prejudice to the generality of the above, the licensee shall

- (a) not allow workers, other than those specified in sub-clause (ii) of clause (c) of sub-rule (2) of rule 7 and already dealt with under rule 17.
 - (b) maintain records of workers as specified under rule 24;
 - (c) arrange for preventive and remedial maintenance of radiation protection equipment, and monitoring instruments;
 - (d) in consultation with the Radiological Safety Officer, investigate any case of exposure in excess of regulatory constraints received by individual workers and maintain records of such investigations;
 - (e) inform competent authority promptly of the occurrence, investigation and follow-up actions in cases of exposure in excess of regulatory constraints, including steps to prevent recurrence of such incidents;
 - (f) carry out physical verification of radioactive material and maintain inventory;
 - (g) inform appropriate law enforcement agency in the locality of any loss of source;
 - (h) inform the employer and the competent authority of any loss of source;
 - (i) investigate and inform the competent authority of any accident involving source and maintain record of investigations;
 - (j) verify the performance of radiation monitoring systems, safety interlocks, protective devices and any other safety systems in the radiation installation;
 - (k) in consultation with Radiological Safety officer, prepare emergency plans, as specified in rule 33, for responding to accident to mitigate their consequences and ensure emergency preparedness measures;
 - (l) conduct or arrange for quality assurance tests of structures, systems, components and sources and related equipment;
 - (m) advise the employer about the modifications in working condition of a pregnant worker;
 - (n) inform the competent authority if the Radiological Safety Officer or a worker leaves the employment; and
 - (o) inform the competent authority when he leaves the employment.
- (6) The licensee shall ensure that the workers are familiarised with contents of the relevant surveillance

procedures, safety standards, safety codes, safety guides and safety manuals issued by the competent authority and emergency response plans.

22. Responsibilities of the Radiological safety Officer:—

(1) The Radiological safety officer shall be responsible for advising and assisting the employer and licensee on safety aspects aimed at ensuring that the provisions of these rules are complied with.

(2) The Radiological Safety Officer shall:—

- (a) Carry out routine measurements and analysis on radiation and radioactivity levels in the controlled area, supervised area of the radiation installation and maintain records of the results thereof;
- (b) investigate any situation that could lead to potential exposures;
- (c) advise the employer regarding—
 - (i) the necessary steps aimed at ensuring that the regulatory constraints and the terms and conditions of the licence are adhered to;
 - (ii) the safe storage and movement of radioactive material within the radiation installation;
 - (iii) initiation of suitable remedial measures in respect of any situation that could lead to potential exposures; and
 - (iv) routine measurements and analysis on radiation and radioactivity levels in the off-site environment of the radiation installation and maintenance of the results thereof;
- (d) ensure that—
 - (i) reports on all hazardous situations along with details of any immediate remedial actions taken are made available to the employer and licensee for reporting to the competent authority and a copy endorsed to the competent authority;
 - (ii) quality assurance tests of structures, systems, components and sources, as applicable are conducted; and
 - (iii) monitoring instruments are calibrated periodically.
- (e) assist the employer in—
 - (i) instructing the workers on hazards of radiation and on suitable safety measures and work practices aimed at optimising exposures to radiation sources; and
 - (ii) the safe disposal of radioactive wastes; and

(iii) developing suitable emergency response plans to deal with accidents and maintaining emergency preparedness;

(f) advise the licensee on—

- (i) the modifications in working condition of a pregnant worker; and
- (ii) the safety and security of radioactive sources;

(g) furnish to the licensee and the competent authority the periodic reports on safety status of the radiation installation; and

(h) inform the competent authority when he leaves the employment.

23. Responsibilities of worker:—(1) Every worker shall observe the safety requirements and follow safety procedures and instructions and shall refrain from any willful act that could be detrimental to self, co-workers, the radiation installation and public.

(2) The worker shall:—

- (a) provide to the employer information about his previous occupations including radiation work, if any;
- (b) make proper use of such protective equipments, radiation monitors and Personnel monitoring devices as provided; and
- (c) inform the licensee and the Radiological Safety Officer, of any accident or potentially hazardous situation that may come to his notice;

(3) A female worker shall on becoming aware that she is pregnant, notify the employer, licensee and Radiological safety Officer in order that her working conditions may be modified, if necessary.

24. Records of workers:— (1) Every licensee shall maintain complete and up-to date records of—

- (a) personnel monitoring under clause (b) sub-rule (2) of rule 27, in the format as specified by order by the competent authority; and
- (b) the health surveillance specified in rule 25.

(2) Such records shall be preserved during the working life of each worker, and afterwards until the worker attains would have attained the age of Seventy five years, or not less than thirty years after the termination of work involving occupational exposure whichever is later.

(3) A worker shall have access to his personnel monitoring and the health surveillance records.

25. Health surveillance of workers:— (1) Every employer shall provided the services of a physician with appropriate qualifications to undertake occupational health surveillances of classified workers.

(2) Every worker, initially on employment, and classified worker, thereafter at least once in three years as long as the individual is employed, shall be subjected to the following—

- (a) general medical examination as specified by order by the competent authority; and
- (b) health surveillance to decide on the fitness of each worker for the intended task;

(3) The health surveillance shall include—

- (a) special tests or medical examinations as specified by order by the competent authority, for workers who have received dose in excess of regulatory constraints; and
- (b) counselling of pregnant workers.

26. **Medical exposures:**— The licensee carrying out diagnostic or therapeutic work using radiation generating equipment, sealed or unsealed sources, shall for optimizing the medical exposure ensure that—

- (a) performance of the equipment is verified periodically by appropriate quality assurance tests;
- (b) records are maintained for a period specified by the competent authority of—
 - (i) radiation doses received by therapy patients;
 - (ii) activity administered to patients for diagnostic and therapeutic purposes; and
 - (iii) other relevant parameters;
- (c) the exposure of humans for bio-medical research is carried out only on healthy volunteers with their prior consent in writing. The methodology, the number of volunteers and the radiation dose they are subjected to shall be reviewed by the ethical review committee constituted by the employer; and
- (d) any accidental medical exposure is investigated and a written report is submitted to the competent authority.

27. **Radiation surveillance requirements:**— (1) The competent authority may by order specify appropriate radiation surveillance requirements and procedures and the employer and the licensee shall comply with them.

(2) without prejudice to the generality of the foregoing provisions, such radiation surveillance requirements and procedures may provide that—

- (a) the siting, design, construction, commissioning, operation, servicing and maintenance and decommissioning a facilities involving the use of radiation, and disposal of radioactive material shall be done in accordance with the specifications laid down by the competent authority in the relevant safety codes and safety standards;

- (b) the workers shall be subjected to personnel monitoring and health surveillance and appropriate records shall be maintained.
- (c) transport of radioactive material in public domain shall be in accordance with the procedures laid down by the competent authority and in accordance with the other regulations pertaining to transport by different modes; and
- (d) appropriate quality assurance requirements in the above.

28. **Directives in the cases of exposures in excess of regulatory constraints:**— (1) When, in the opinion of the competent authority, any worker has exceeded the dose constraints, the competent authority may, without prejudice to other course of action available, issue appropriate directives for controlling further exposure and the employer shall comply with the directives.

(2) If a worker discontinues radiation work under the directives of the competent authority issued under the rule, the employer shall assign alternative work not involving exposure to radiation, until the competent authority is satisfied about the fitness of the worker to resume radiation work.

(3) The employer shall comply with restrictions, if any, that the competent authority may impose in this regard.

29. **Power to appoint or recognize persons or agencies:**—The competent authority may, from time to time, appoint or recognize persons or agencies having the qualifications and expertise, prescribed in the relevant safety code, for the purpose of performing any of the functions entrusted to them by the authority and for ensuring compliance with radiological surveillance.

30. **Inspection of premises, radiation installations and conveyances:**—(1) Any person duly authorised under sub-Section (4) of Section 17 of the Act may, for the purposes of enforcement of these rules, inspect any premises, or radiation installation, or conveyance.

(2) The date and time of inspection may or may not be informed to the employer or the licensee prior to the inspection.

(3) The employer and the licensee shall extend all assistance to enable the inspection to be carried out effectively and unhindered.

(4) The findings of the inspection shall be forwarded to the licensee for necessary corrective actions.

(5) Inspection may be carried out at all licencing stages, namely, siting, construction, commissioning, operation and decommissioning.

(6) The person authorised to conduct inspection may—

- (a) Inspect, from safety point of view, to ensure that the licensee has fulfilled the radiological safety requirements for carrying out the

practices at the radiation installation as per the stipulations laid down in the licence. This shall include—

- (i) checking, whether the safety related structures, systems, components and devices are of approved quality based, on the relevant safety codes and safety standards specified by the competent authority and that they are functioning as per the design intent, checking that respective operating personnel are competent to operate the facility;
- (ii) that the facilities are operating as per the approved technical specification; and
- (iii) conducting all such examinations (including verification of relevant records) as may be considered necessary;
- (b) make such tests and measurements as may be necessary for the purpose of assessing radiation safety;
- (c) investigate unusual incidents or accidents, if any, that had occurred at the radiation installation and arrive at the reasons for the same and recommend corrective measures;
- (d) review and verify whether the corrective action have been implemented; and
- (e) inspect radioactive consignments in any conveyance carrying radioactive material and inspect any package containing radioactive material.

31. Power to investigate, seal or seize radiation installation or radioactive material and to give direction to the employer:—(1) Any person duly authorised under Section 17 of the Act, may, after inspection, carry out investigation for the purposes of determining contravention of any of the provisions of these rules:

(2) The investigation may be carried out against a complaint or on suspicion or after an unusual incident or accident;

- (3) The person authorised to investigate may—
 - (a) seal any radiation installation or any conveyance carrying radioactive materials or seize any radioactive material or contaminated equipment; and
 - (b) indicate in writing to the employer any recommendation aimed at ensuring adequate protection and the licensee shall comply with the same.

32. Directives in case of accidents:—(1) In the event of an accident involving the source or release of radioactive material, the competent authority may—

- (a) Intervene and issue such directions as deemed fit and proper under the circumstances in the interest of radiation safety and the employer shall act as per the directions of the competent authority and shall make every effort to mitigate the consequences of the accident; or
- (b) The competent authority may assign experts to give advice or render assistance in mitigating the consequences of the accident and the expenses incurred, if any, shall be reimbursed by the employer.

(2) In the interest of safety of the radiation installation, workers, public and the environment, the competent authority may issue such directions as it may deem fit for ensuring safety including the immediate shutting down of the radiation installation and the employer shall comply with the directions.

33. Emergency preparedness:—(1) The licensee shall prepare emergency response plans as specified by the competent authority in the relevant safety codes and maintain emergency preparedness.

(2) The licensee shall submit the response plans for plant emergencies and site emergencies to the competent authority for approval.

(3) The licensee shall submit the response plans for off-site emergencies prepared by the appropriate authorities to the competent authority for review.

(4) In respect of radiation installations governed by clause (a) of sub-rule (3) of rule 3 and clause (b) of sub-rule (3) of rule 3, emergency response plans shall be submitted to the competent authority prior to the commissioning of the installations.

(5) Any modification to the emergency plan shall require prior approval of or review by the competent authority.

34. Decommissioning of radiation installation:—(1) When a radiation installation or radiation generating equipment ceases to be in use, the employer shall ensure its decommissioning.

(2) No employer shall decommission a radiation installation without the prior approval of the competent authority.

(3) The decommissioning plan shall take due cognizance of disposal of radioactive wastes, recycling of materials, and reuse of equipment and premises.

(4) The licensee shall comply with such directive as may be issued by the competent authority to ensure adequate protection of the persons in and around the decommissioned installation.

35. Offences and penalties:— Any person who contravenes the provisions of these rules or any of the terms and conditions of licence issued hereunder, shall be punishable as provided for under the Act.

[F. No. AEA/30(1)/2002-ER]

V. P. RAJA, Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2004

सा. का. नि. 304.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक (रोग लक्षण मनोविज्ञान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक (रोग लक्षण मनोविज्ञान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक (रोग लक्षण मनोविज्ञान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 के नियम 1 के उपनियम (1) में "2002" अंकों के स्थान पर "2003" अंक रखे जाएंगे।

[सं० वी०-24011/12/2002-एम ई डेस्क-II]

एस० के० मिश्रा, अवर सचिव

पाद टिप्पणि : मूल नियम सा.का.नि. सं. 58, तारीख 22 जनवरी, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 31st August, 2004

G.S.R. 304.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer (Clinical Psychology) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer (Clinical Psychology) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer (Clinical Psychology) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2002, in sub-rule (1) of rule 1, for the figures "2002", the figures "2003" shall be substituted.

[No. V-24011/12/2002-ME Desk-II]

S. K. MISHRA, Under Secy.

Footnote : The Principal rules were published *vide* number G.S.R. 58, dated the 22nd January, 2003.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2004

सा. का. नि. 305.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक सह जानपदिक रोग विज्ञानी (सामुदायिक चिकित्सा) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक सह-जानपदिक रोग विज्ञानी (सामुदायिक चिकित्सा) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक सह-जानपदिक रोग (सामुदायिक चिकित्सा) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 के नियम 1 के उपनियम (1) में "2002" अंकों के स्थान पर "2003" अंक रखे जाएंगे।

[सं० वी०-24011/12/2002-एम ई डेस्क-II]

एस० के० मिश्रा, अवर सचिव

पाद टिप्पणि : मूल नियम सा.का.नि. सं. 59, तारीख 22 जनवरी, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

2638 ५१/०५ - ५

New Delhi, the 31st August, 2004

G.S.R. 305.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer-cum-Epidemiologist (Community Medicine) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer-cum-Epidemiologist (Community Medicine) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer-cum-Epidemiologist (Community Medicine) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2002, in sub-rule (1) of rule 1, for the figures "2002", the figures "2003" shall be substituted.

[No. V-24011/12/2002-ME Desk-II]

S. K. MISHRA, Under Secy.

Footnote : The Principal rules were published *vide* number G.S.R. 59, dated the 22nd January, 2003.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2004

सा. का. नि. 306.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, आचार्य (प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान) उपाचार्य (प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान) और ज्योष्ठ प्राध्यापक (प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, आचार्य (प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान) उपाचार्य (प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान) और ज्योष्ठ प्राध्यापक (प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 (संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, आचार्य (प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान) उपाचार्य (प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान और रक्ताधान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 1 के उपनियम (1) में "2002" अंकों के स्थान पर "2003" अंक रखे जाएंगे।

3. उक्त नियमों की अनुसूची में क्रम संख्यांक से संबंधित पद के सामने,—

(i) स्तंभ 5 के अधीन प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"चयन"

(ii) स्तंभ 13 के अधीन प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टियां अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

"समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए) जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी :—

- | | |
|--|----------|
| 1. गृह सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन | —अध्यक्ष |
| 2. सचिव, अयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान, चंडीगढ़ प्रशासन | —सदस्य |
| 3. प्रधानाचार्य, सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़ | —सदस्य |
| 4. संबंधित विभाग का आचार्य और विभागाध्यक्ष,
सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़ | —सदस्य" |

[सं. वी.-24011/12/2002-एम ई डेस्क-II]

एस० के० मिश्रा, अवर सचिव

पाद टिप्पणी : मूल नियम सा.का.नि. सं. 60, तारीख 22 जनवरी, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 31st August, 2004

G.S.R. 306.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Professor (Immuno Haematology and Blood Transfusion), Reader (Immuno Haematology and Blood Transfusion), and Senior Lecturer (Immuno Haematology and Blood Transfusion) (Group 'A' Gazetted Posts) Recruitment Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Professor (Immuno Haematology and Blood Transfusion), Reader (Immuno Haematology and Blood Transfusion) and Senior Lecturer (Immuno Haematology and Blood Transfusion) (Group 'A' Gazetted Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Professor (Immuno Haematology and Blood Transfusion), Reader (Immuno Haematology and Blood Transfusion) and Senior Lecturer (Immuno Haematology and Blood Transfusion) (Group 'A' Gazetted Posts) Recruitment Rules, 2002 (hereinafter referred to as the said rules) in sub-rule (1) of rule 1, for the figures "2002", the figures "2003" shall be substituted.

3. In the said rules, in the Schedule against the post appearing at serial number 2,—

(i) for the entry under column 5, the following entry shall be substituted namely :—

"Selection",

(ii) after the entry under column 13, the following entries shall be inserted namely :—

"Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation), consisting of :—

1. Home Secretary, Chandigarh Administration	—Chairman
--	-----------

2. Secretary, Medical Education and Research Chandigarh Administration	—Member
3. Principal, Government Medical College and Hospital, Chandigarh	—Member
4. Professor and Head of the concerned Department of Government Medical College and Hospital, Chandigarh	—Member

[No. V-24011/12/2002-ME Desk-II]

S. K. MISHRA, Under Secy.

Footnote : The Principal rules were published *vide* number G.S.R. 60, dated the 22nd January, 2003.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2004

सा० का० नि० 307.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, सांख्यिकी-विद्-सह-ज्योष्ठ प्राध्यापक (सामुदायिक चिकित्सा) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, सांख्यिकी-विद्-सह-ज्योष्ठ प्राध्यापक (सामुदायिक चिकित्सा) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, सांख्यिकी-विद्-सह-ज्योष्ठ प्राध्यापक (सामुदायिक चिकित्सा) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 (जिन्हें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 1 के उपनियम (1) में "2002" अंकों के स्थान पर "2003" अंक रखे जाएंगे।

3. उक्त नियमों की अनुसूची के संभ 4 के अधीन प्रविष्टि के स्थान पर "14300-400-15900-450-18150 रु०" प्रविष्टि रखी जाएगी।

[सं० वी०-24011/12/2002-एम ई डेस्क-II]

एस० के० मिश्रा, अवर सचिव

पाद टिप्पणि : मूल नियम सा०का०नि० सं. 57, तारीख 22 जनवरी, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

6380/104-5

New Delhi, the 31st August, 2004

G.S.R. 307.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Statistician-cum-Senior Lecturer (Community Medicine) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Statistician-cum-Senior Lecturer (Community Medicine) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment (Amendment) Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Statistician-cum-Senior Lecturer (Community Medicine) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2002 (hereinafter referred to as the said rules) in sub-rule (1) of rule 1, for the figures "2002", the figures "2003" shall be substituted.

3. In the said rules, in the Schedule for the entry under column 4, the entry "Rs. 14300-400-15900-450-18150" shall be substituted.

[No. V-24011/12/2002-ME Desk-II]

S. K. MISHRA, Under Secy.

Footnote : The Principal rules were published *vide* number G.S.R. 57, dated the 22nd January, 2003.

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 2004

सा. का. नि. 308.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक जैव भौतिकी (शरीर क्रिया विज्ञान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक जैव भौतिकी (शरीर क्रिया विज्ञान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सरकारी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल, चंडीगढ़, ज्येष्ठ प्राध्यापक जैव भौतिकी (शरीर क्रिया विज्ञान) (समूह 'क' राजपत्रित पद) भर्ती नियम 2002 के नियम 1 के उपनियम (1) में "2002" अंकों के स्थान पर "2003" अंक रखे जाएंगे।

[सं. वी०-24011/12/2002-एम ई डेस्क-II]

एस० के० मिश्रा, अंवर सचिव

पाद टिप्पण : मूल नियम सा०का०नि० सं० 56, तारीख 22 जनवरी, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 31st August, 2004

G.S.R. 308.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer in Biophysics (Physiology) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer in Biophysics (Physiology) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment (Amendment) Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Government Medical College and Hospital, Chandigarh, Senior Lecturer in Biophysics (Physiology) (Group 'A' Gazetted Post) Recruitment Rules, 2002 in sub-rule (1) of rule 1, for the figures "2002", the figures "2003" shall be substituted.

[No. V-24011/12/2002-ME Desk-II]

S. K. MISHRA, Under Secy.

Footnote : The Principal rules were published *vide* number G.S.R. 56, dated the 22nd January, 2003.

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन एवं डेयरी विभाग)

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 2004

सा.का.नि. 309.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एकीकृत मात्रिकी परियोजना (मुख्य अभियंता श्रेणी-I) भर्ती नियम, 2002 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम एकीकृत मात्रिकी परियोजना (मुख्य अभियंता श्रेणी-I) भर्ती (संशोधन) नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. एकीकृत मात्रिकी परियोजना (मुख्य अभियंता श्रेणी-I) भर्ती नियम, 2002 की अनुसूची में,—

(क) स्तंभ 3 में, “साधारण केन्द्रीय सेवा समूह ख अराजपत्रित अननुसंचिवीय” प्रविष्टि के स्थान पर “साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह क, राजपत्रित, अननुसंचिवीय” प्रविष्टि रखी जाएगी;

(ख) स्तंभ 13 में की गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“समूह ‘क’ विभागीय प्रोन्ति समिति (पुष्टि के लिए)

1. संयुक्त सचिव, (मात्रिकी)

—अध्यक्ष

2. मात्रिकी विकास आयुक्त

—सदस्य

3. निदेशक, एकीकृत मात्रिकी परियोजना, कोचीन-16

—सदस्य”;

(ग) स्तंभ 14 में, “संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है”, प्रविष्टि के स्थान पर “संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है” प्रविष्टि रखी जाएगी।

[फा० सं० 5-25/99-मा. (प्र.)]

आर० के० मेहता, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल नियम, भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 2-11-2002 में सा.का.नि. सं. 446, तारीख 23 अक्टूबर, 2002 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

New Delhi, the 30th August, 2004

G.S.R. 309.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Integrated Fisheries Project (Chief Engineer Grade-I) Recruitment Rules, 2002, namely :—

1. (1) These rules may be called the Integrated Fisheries Project (Chief Engineer Grade-I) Recruitment (Amendment) Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Integrated Fisheries Project (Chief Engineer Grade-I) Recruitment Rules, 2002,—

(a) in column 3, for the entry “General Central Service Group B Non-Gazetted Non-Ministerial”, the entry “General Central Service, Group A, Gazetted, Non-Ministerial” shall be substituted;

(b) in column 13, for the entry, the following shall be substituted, namely :—

“Group ‘A’ Departmental Promotion Committee (for confirmation) :

1. Joint Secretary (Fisheries)	—Chairman
--------------------------------	-----------

2. Fisheries Development Commissioner	—Member
---------------------------------------	---------

3. Director, Integrated Fisheries Project, Cochin-16	—Member”;
--	-----------

(c) in column 14, for the entry “consultation with U.P.S.C. not necessary”, the entry “consultation with Union Public Service Commission necessary” shall be substituted.

[F. No. 5-25/99-Fy. (Admn.)]

R.K. MEHTA, Under Secy.

Note : The Principal Rules were published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated 2-11-2002 vide G.S.R. No. 446, dated the 23rd October, 2002.

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2004

सा.का.नि. 310.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, फरक्का बांध परियोजना (प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-III और कार्यालय अधीक्षक) समूह 'ख' पद भर्ती नियम, 2003 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम फरक्का बांध परियोजना (प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-III और कार्यालय अधीक्षक) समूह 'ख' पद भर्ती नियम, 2004 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. फरक्का बांध परियोजना (प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-III और कार्यालय अधीक्षक) समूह 'ख' पद भर्ती नियम, 2003 की अनुसूची में, क्रमशः प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी III) और कार्यालय अधीक्षक के पदों से संबंधित स्तंभ 13 के अंदर प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां क्रमशः रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“समूह ‘ख’ विभागीय प्रोन्ति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

- | | |
|--|----------|
| 1. महाप्रबंधक, फरक्का बांध परियोजना | —अध्यक्ष |
| 2. अधीक्षण इंजीनियर, फरक्का बांध परियोजना | —सदस्य |
| 3. अधिकारी प्रशासनिक अधिकारी, फरक्का बांध परियोजना | —सदस्य” |

[फा. सं. 2/13/2003-जीबी-एफबीपी]

आर० सी० मीना, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल नियम, भारत के राजपत्र में सा.का.नि. सं. 226, दिनांक 7 जून, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 23rd August, 2004

G.S.R. 310.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Farakka Barrage Project, (Administrative Officer Grade III and Office Superintendent) Group 'B' Posts Recruitment Rules, 2003, namely :—

1. (1) These rules may be called the Farakka Barrage Project, (Administrative Officer Grade III and Office Superintendent) Group 'B' Posts Recruitment Amendment Rules, 2004.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedules to the Farakka Barrage Project, (Administrative Officer Grade III and Office Superintendent) Group 'B' Posts Recruitment Rules, 2003, for the entries under Column 13 relating to the posts of Administrative Officer (Grade-III), and Office Superintendent respectively, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

“Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of :—

- | | |
|---|-----------|
| 1. General Manager, Farakka Barrage Project | —Chairman |
| 2. Superintending Engineer, Farakka Barrage Project | —Member |
| 3. Senior Administrative Officer, Farakka Barrage Project | —Member” |

[F. No. 2/13/2003-GB-FBP]

R.C. MEENA, Under Secy.

Note : The Principal rules were published in the Gazette of India *vide* number G.S.R. 226, dated 7th June, 2003.